क्या परमेश्वर अपना विचार बदलता है?

... परमेश्वर। आइए हम अपने झुके हुए सिरों के साथ हम खड़े रहें, एक क्षण के लिए।

स्वर्गीय पिता, हम तेरे अनुग्रह की हर चीज के लिए धन्यवादित हैं जो तूने हमें दी है। हम तेरी किन्ही भी आशीषो के—के लिए योग्य नही हैं। निश्चित ही यह हमारी योग्यता से अधिक आशीषे है जो हम लेते है। और हम प्रार्थना करते हैं, परमेश्वर, कि आप हमारे साथ निरन्तर रहे। बस भीतर आते हुए और आत्मा के अद्भुत अनुभव के लिए इस सभा में, मैं जानता हूं कि यह आपकी ओर से आता है। इसलिए पिता मैं प्रार्थना करता हूं, कि आप आज रात्री सभा को निरन्तर सम्मानित करते रहेगे, अपनी उपस्थिति से, और सारे बीमारों और अपहिजो को चंगा करेगे। इसे प्रदान करें। होने पाए आपकी उपस्थिति के कारण यह एक—एक महान रात्री हो, जिसे हम जल्द ना भूलने पाए। हम यह यीशु के नाम में मांगते हैं। आमीन।

2 पिछली सांझ मैं आप लोगो को देर तक रोके रहा इसके लिए मुझे क्षमा करे। मैं आज रात्री जल्द करने का प्रयत्न करूंगा, ताकि हम जल्द कर सके और—और बीमारों के लिए प्रार्थना करे। निश्चय ही पिछली रात्री की सभा के विषय में मुझे अच्छा लगा। उन्हें प्रतीत हुआ जैसे कि वहां बहुत से लोग चंगे हुए। और बहुत सारी सहायता थी, हर कोई मिलकर प्रार्थना कर रहा था। हम इसी प्रकार खड़े होते हैं। इसलिए, प्रभु आपको आशीष दे। अब, मैं सोचता हूं, कल आने वाली रात्री हमें... मैं समझता हूं उन्होंने पहले ही घोषणा कर दी है। यह दूसरा—दूसरा स्थान है। ठीक है।

3 अब आइये हम गिनती की पुस्तक निकाले, जल्द से 22वां अध्याय, थोडा छोटा सा मूल पाठ कि इस पर, कुछ टिप्पणियां करूं, और फिर अधिकांश समय हम प्रार्थना पंक्ति के लिए रखेंगे।

4 बिली ने कहा उसने बहुत सारे प्रार्थना कार्ड दिए है, उनमें से दो या तीन सौ। और यह बहुत समय लेगा कि उन्हें प्रार्थना पंक्ति में लू, इसलिए मैं—मैं बस थोड़े समय के लिए बोलुंगा, यदि संभव हो तो तीस मिनट से

अधिक नहीं, और फिर प्रार्थना पंक्ति आरंभ करेंगे, बीमारों के लिए प्रार्थना करें। व्यवस्थाविवरण में... मुझे क्षमा करें।

5 गिनती का, 22वां अध्याय और 31वां पद, मैं इसे पढ़ना चाहता हूं।

तब *यहोवा ने बिलाम की आंखें खोली, और उसे यहोवा का दूत, मार्ग में खड़ा दिखाई पड़ा, और हाथ में नंगी तलवार लिए हुए: तब वह झुक गया, और मुंह के बल गिर कर दण्डवत किया।*

6 अब यह एक कठोर सा मूल पाठ सुनाई पड़ सकता है जिससे कि—कि सहास मिले और अपनी चंगाई सभा करे। और मैं यत्न करने जा रहा हूं कि प्रार्थना पंक्ति यदि सम्भव हो, तो नौ बजे आरंभ कर दे। अब मैं आज रात्री जो विषय लेना चाहता हूं: *क्या परमेश्वर अपना विचार बदलता है?*

7 आप जानते हैं, हम अपना विचार बदल सकते हैं, और क्योंकि हम—हम थोड़ा भिन्न सीखते हैं, हम जानते हैं कि हम गलत है।

8 परन्तु मैं विश्वास नहीं करता कि परमेश्वर अपना विचार बदल सकता है। क्योंकि, यदि वह करता है, तो वह निश्चय ही अनंत नहीं हो सकता, और वह और अच्छा निर्णय ले सकता है यदि वह इसे बदलेगा। इसलिए वह... वह विश्वास जो मेरा उसमें है, कि—कि वह अपना विचार नहीं बदलता। क्योंकि यदि परमेश्वर कभी कोई निर्णय लेता है, तो उसे उस निर्णय के साथ स्थिर बने रहना है। समझे? और हर बार वही परेशानी आती है, उसे उसी प्रकार से कार्य करना होता है, जो उसने पहली बार किया था, या उसने पहली बार में गलत किया। समझे? इसलिए यह हमें कहीं पर एक—एक आधार विश्वास देता है। अब हम नहीं कर सकते...

9 जी हाँ, विश्वास कोई हिलता हुआ पत्ता नहीं, कुछ ऐसा जिसे आप *यहां* और कहीं तो और उड़ा सके। यह कुछ ऐसा है जो निश्चित है। इसे स्थिर ही होना है। और, अब, मैं अपना विश्वास किसी सिद्धांत पर आधारित नहीं कर सकता। इसे तो सिद्ध सत्य होना है इसके पहले मैं विश्वास कर सकूं।

10 बस जिस प्रकार की मनुष्य विवाह के लिए पत्नी चुनता है। वह क्यों, उस—उस स्त्री में विश्वास करे जिससे विवाह करना है, या वह निश्चय ही स्वयं को परेशानी में डाल रहा है। समझे? इसलिए उसे करना ही है, आपको विश्वास करना ही है, किसी ठोस तथ्य पर, जिस पर वह विश्वास टिके; उसके शब्द पर, उस पर जो किसी ने कहा, या कुछ भी। उसके पास कुछ होना चाहिए कि वह उस पर विश्वास टिकाए, विश्वास करे।

11 इसलिए मैं अनुभव करता हूं कि परमेश्वर से मिलने को, कि कुछ एक ऐसा हो जिसे मैं अपने विश्वास का आधार बना सकू और वह उसका वचन है।

12 क्योंकि, हम में से लगभग सबके पास विभिन्न विचार होते हैं। हम बैठकर और कुछ खाने के लिए भी बातें करते जाएगे, क्यों, क्योंकि खाने में हम अलग–अलग है; और हम अलग बने हैं, हमारी भूख अलग–अलग है। और इसलिए यह हमारी कलीसियाए बनाता है, हम देखते हैं कि वे अपने विचारों में भिन्न हैं कि क्या सही और क्या गलत है। और यह हम, हर सब को एक पसन्द का, विशेषधिकार प्रदान करता है।

13 परन्तु, मेरे लिए, मैं—मैं विश्वास करता हूं कि परमेश्वर का वचन सही है। और मैं—मैं विश्वास नहीं करता कि यह कोई व्यक्तिगत अनुवाद का है। मैं विश्वास करता हूं कि यह बस वही जो यह कहता है, यह सत्य है। और मैं इसे इसी प्रकार लेता हूं, बस इसी आधार पर कि यह परमेश्वर का वचन है। अब, मेरे पास पर्याप्त विश्वास नहीं है, सम्भव है, कि सारे को कार्यवन्त कर दूं, परन्तु मैं निश्चित तौर पर नही चाहूंगा कि मैं किसी और के मार्ग में खड़ा होऊ, जिसके पास इसे कार्यवन्त करना का विश्वास ना हो।

14 जैसे, उदाहरण के तौर पर, हनोक के पास पर्याप्त विश्वास था कि उसे मरना नहीं है। बस दोपहर बाद की सैर पर गया, और यहाँ धरती पर थक गया था और ऊपर स्वर्ग की ओर चलता चला गया। निश्चय ही मैं इस प्रकार का विश्वास चाहूंगा। परन्तु मैं आशा करता हूं कि हमें किसी दिन ऐसा विश्वास मिले, जैसे–जैसे हम उसमें बढ़ते हैं। अब हमारा...

15 कारण कि मैंने इस स्थान को चुना है, क्योंकि मुझे यहाँ ऐसा प्रतीत होता है, बाईबल में एक जगह जो कि आज रात्री के मूलपाठ के लिए एक—एक आलोचनात्मक स्थान है, क्योंकि ऐसा प्रतीत होता है कि परमेश्वर ने अपना विचार बदल लिया, और बालाम से बात करने के लिए कहा और फिर कुछ और बताया कि करे। इसलिए मैंने सोचा, कुछ क्षण के लिए, हम इसे थोड़ा ठीक करने का यत्न करे, और देखते है कि वास्तव में उसने उसे क्या बताया।

16 इसलिए अब इसकी रूपरेखा तैयार करने के लिए। हम जानते हैं कि बालाम एक—एक—एक भविष्यवक्ता था। और बालाक मोआब का राजा था, उस समय। मोआब में वे नास्तिक नहीं थे, वे उसी परमेश्वर की सेवा

करते थे जिसकी इस्राएल करता था। क्योंकि, मोआब, देश की नींव लूत के पुत्र के द्वारा रखी गयी, उसकी पुत्री के द्वारा, और इसलिए उन्होंने उसी परमेश्वर की सेवा की। यदि आप ध्यान देंगे, उनके बलिदान और हर चीज ठीक वैसी ही थी, बैल, और मेढ़े भी, जो दूसरे आगमन के लिए दर्शा रहे थे। और अब यदि वह आधारात्मक जो परमेश्वर की मांग है, तो मोआब भी चढ़ावे में वैसे ही आधारभूत था जैसा इस्राएल था। परन्तु हम उन्हें पाते हैं, कि इस्राएल परमेश्वर के वचन को पालन करने में कर्तव्यबद्ध था, उस देश के लिए जिसकी प्रतिज्ञा उनसे की गई थी। और वे आए…

17 यहां एक प्रतिछाया है शारिरिक और आत्मिक मिल रहे है। और जब शारीरिक और आत्मिक मिलते है, तो वह सदा टकराव हुआ क्योंकि वे एक दूसरे के विपरीत दौड़ते हैं। और यहां इस्राएल, मैं इसे आत्मिक कलीसिया के रूप में दर्शाना चाह रहा हूं; और मोआब शारीरिक कलीसिया, एक कलीसिया, जिसे हम सांसारिक कलीसिया कहते हैं।

18 और हम सब इसमें निश्चित है कि एक—एक कलीसिया है, और एक दुल्हन है कलीसिया में से बाहर आ रही है। हम यह जानते हैं, कि यह सत्य है।

19 और यहाँ वे टकराते हैं। और हम यहां ध्यान देते हैं जब वे यहां टकराते हैं, तो यह किसी चीज के नीचे आया, जो कि मैं कुछ क्षण के लिए बोलना चाहता हूं। जैसे ही वे टकराए, और एक ने देखा कि दूसरा क्या कर रहा था, वहां एक बड़ा नकल करने वाला था, उनमें से एक।

20 और यही है जो आज हम पाते हैं, कि आज बहुत सारी नकले पाते हैं। और जब आप यह करते हैं, तो आप सदा परेशानी में होते हैं। आप किसी दूसरे के जीवन को नहीं जी सकते। हम किसी चीज की नकल नहीं कर सकते। हमें वही रहना चाहिए जो हम हैं। आपको यह कोशिश नहीं करनी चाहिए, यदि *यह* व्यक्ति कुछ करता है, क्योंकि वह यह करता है, तो आप सोचते हैं तुम्हे भी करना है। आप यह ना करे। आप परमेश्वर के लिए व्यक्तिगत है। और हमें एक दूसरे की नकल नहीं करनी चाहिए।

21 और अब, इस्राएल, अपने कर्तव्य के मार्ग पर है, परमेश्वर की एक आज्ञा पर वे उनके मार्ग पर, आगे बढ़ रहे है, प्रतिज्ञा के देश को, वे मोआबियो के आमने सामने आए, विश्वासियों का दूसरा झुण्ड।

22 और मैं आशा करता हूं कि यह सुनने में बुरा नहीं है। परन्तु मैं यहां एक

छोटा चित्र खींचना चाहता हूं, मोआब एक देश में बसा हुआ है, वह एक नामधारी मामले जैसे संगठित है। उसके अपने लोकप्रिय है, और उनके माननिय गण... उसके राज्य के।

23 परन्तु इस्राएली एक—एक घूमने वाले थे। जहां गए वहां उनका कोई निश्चित स्थान नहीं था। वे वैसे ही घूमते थे जैसा प्रभु उनकी अगुवाई करता। अब, मैं यह भी विश्वास करता हूं, बालाम ने बाद में अपनी भविष्यवाणी में कहा, "लोग राष्ट्रों के मध्य में से ना होंगे। ये बस बिखरे हुए होंगे।" और यही है जो सदा से है। और हम पाते हैं, कि टकराव आता है।

24 जैसे कि कैन और हाबिल, वे भी टकराव में एक साथ आमने-सामने थे। और वे भाई होने के नाते, और दोनों एक ही मां से थे, हव्वा से। और हम पाते हैं उन्होंने अनुभव किया कि वे मरणहार थे, और वे जीवन से बाहर कर दिए गए थे, जीवन की वाटिका से बाहर। और वे दोनों वह मार्ग ढूंढने का यत्न कर रहे थे कि उसमें वापस जाए। और यदि आप ध्यान दे, दोनों लड़के धार्मिक थे। कैन वैसे ही धार्मिक था जैसा हाबिल था। और दोनों ने ही वेदी बनायी, एक आराधना स्थल। दोनों ने बलिदान चढाया। दोनों ने प्रार्थना की। और उन्होंने—उन्होंने परमेश्वर की सेवा की, दोनों ने, परन्तु उनमें से एक ने गलत सेवा की।

25 अब, आप देखते हैं, कि हम कभी बहुत ईमानदार हो सकते हैं और फिर भी गलत हो। आप गलत हो सकते हैं। "एक मार्ग जो सही प्रतीत होता है, परंतु उसके अंत में मृत्यु का मार्ग होता है।"

26 अब हम—हम देखते हैं कि यह बात कैन और हाबिल के साथ ठीक थी। और जब उन्होंने देखा... कैन ने देखा कि हाबिल का बलिदान ग्रहण किया गया था। और, मैं यहां कहने के लिए रुक सकता हूं, क्यों परमेश्वर ने उसके बलिदान को स्वीकार किया? क्योंकि यह—वह था... एक प्रकाशन के द्वारा, उसने यह समझा कि यह सेब नहीं था, या मैं विश्वास करता हूं अब उन्होंने अनार को ले लिया है या कुछ जो उन्होंने अदन की वाटिका में खाया, जिससे पाप हुआ। और उसने पाया कि आदम... या, मेरा मतलब, हाबिल ने यह विश्वास किया कि यह (वह) यह लहू था। जो, कि यही वास्तव में था। और हाबिल ने प्रकाशन, विश्वास के द्वारा, परमेश्वर को कैन से अधिक उत्तम बलिदान चढ़ाया; जिसकी गवाही परमेश्वर ने दी कि वह धर्मी था। समझे? और सारी कलीसिया परमेश्वर के वचन के दिव्य

प्रकाशन पर बनी है। सारी की सारी…

27 यीशु ने ऐसा ही कहा है। एक दिन, पहाड़ पर से उतरते हुए, उसने अपने चेलों से कहा, “तुम क्या कहते हो कि मनुष्य का पुत्र कौन है? या लोग मुझे क्या कहते हैं? ”

28 “और उनमें से कुछ ने कहा, अच्छा, तू ‘मूसा’ है, तू ‘एलिय्याह’ है, या ‘भविष्यद्वक्ताओं में से एक।’”

उसने कहा, “परन्तु तुम मुझे क्या कहते हो? ”

29 और पतरस ने वह महान वक्तव्य दिया कि, “तू मसीह है, जीवते परमेश्वर का पुत्र!”

30 उसने कहा, “शमौन योना के पुत्र तू धन्य है।” और यहाँ विश्वासियों के बीच में एक विवाद है।

31 अब कैथोलिक कलीसिया कहती है कि, “यहां उसने—उसने अपनी कलीसिया पतरस पर बनाई, क्योंकि उसने कहा, ‘तू पतरस है,’ छोटा पत्थर, ‘इस पत्थर पर, छोटे पत्थर पर, मैं अपनी कलीसिया बनाऊंगा।’”

32 अच्छा, अब, अधिकांश प्रोटेस्टेंट यह विश्वास करते हैं यह उस स्वयं के ऊपर था जो उसने बनाया, अपने पर, कोने का पत्थर। परन्तु, आप देखिए, वह इमारत के कोने का पत्थर था। मैं विश्वास करता हूं यही जो उसने बनाया कलीसिया को…

33 अलग होने के लिए नहीं, परन्तु, आप देखिए, प्रश्न था कि, “लोग मुझे क्या कहते है? ”

34 और पतरस ने कहा, “तू मसीह है, जीवते परमेश्वर का पुत्र मसीह।”

35 उसने कहा, “योना के पुत्र तू शमौन है, मांस और लहू ने यह बात तुझ पर प्रगट नहीं की। तू ने यह बात कभी भी धर्म विद्यालय जाकर नहीं सीखी। देखो, तू ने यह बात कभी भी किसी मानव निर्मित से नही सीखी। परन्तु मेरे पिता ने जो स्वर्ग में है, तुझ पर यह प्रगट किया है। समझे? इस पत्थर पर मैं अपनी कलीसिया बनाऊंगा, और अधोलोक के फाटक इस पर कभी भी प्रबल ना होगी,” यीशु मसीह का आत्मिक प्रकाशन, जो कि वचन है। तो फिर यह वचन का आत्मिक प्रकाशित सत्य है, ठीक यही जहां कलीसिया टिकी है।

36 मैं सोचता हूं यही है जो आरम्भ में हाबिल के पास था, एक आत्मिक प्रकाशन कि यह खेत का कोई फल नही था या हमारे हाथों का कार्य, या आदि–आदि। यह लहू था। और उसने परमेश्वर को अधिक उत्तम बलिदान चढ़ाया, जो—जो कैन ने चढ़ाया।

37 हम यह अब्राहम और लूत में पाते हैं, वही चीज एक चुनाव में, क्योंकि लूत नीचे चला गया, जब समय आया, जब आत्मिक और—और एक शारिरिक कलीसिया टकराव में आयी, चरवाहों के कारण। उन्हें एक दूसरे से अलग होना पड़ा। और जब कभी यह घटित हुआ, तो इससे एक द्वेष हुआ।

38 और हम पाते हैं कि हाबिल, क्योंकि परमेश्वर ने उसे स्वीकार किया था, और उसने कैन की सुंदर बड़ी भेंट को स्वीकार नहीं किया, इसके लिए उसने कठिन परिश्रम किया, और धर्मी था, और झुककर दण्डवत किया और आराधना की, और आदि–आदि, हर वह किया जो हाबिल ने किया, केवल उसके पास यह प्रकाशन नहीं था कि सत्य क्या था। इसलिए हम पाते हैं, कि जब परमेश्वर ने हाबिल के प्रकाशन और उसकी भेंट को स्वीकार किया, इससे हाबिल के प्रति कैन में द्वेष आ गया। और वहां पहली हत्या हुई थी।

39 हम पाते हैं कि द्वेष अब्राहम और लूत के चरवाहों में आ गया, और उन्हें अलग होना पड़ा।

हम पाते हैं कि मूसा और कोरह में भी एक टकराव था।

यीशु और यहूदा में एक टकराव था।

40 और जैसा कि कभी, यह एक ही चीज रही है, और ऐसा ही आज है, स्वाभाविक कलीसिया और आत्मिक कलीसिया में एक टकराव था, जब वे आमने सामने आए। अब, शारिरिक आत्मिक के साथ मुकाबला करता है, हमेशा शारीरिक नकल के द्वारा। परन्तु, यह जैसा कि ऐसाव और याकूब में था, यह कार्य नहीं करेगा।

41 परमेश्वर की अपनी बुलाई हुई कलीसिया है, नामांकित और, एक ओर रखी हुई। और जिस युग में वह जीवित है, वह स्वयं को उस पर प्रगट करेगा, हर बार, जैसा कि उसने रोमियो के 8वें अध्याय में कहा, कि पूर्वज्ञान या परमेश्वर का पहले से ठहराया जाना निश्चित ही टिकता है। कैन, याने मेरा अर्थ...

42 ऐसाव और याकूब, इसके पहले कि दोनों जनों, इसके पहले कि उनके पास चुनाव का अवसर होता था, परमेश्वर ने कहा, "मैंने एसाव से घृणा की और याकूब से प्रेम किया," क्योंकि वह जानता था कि उनमें आरम्भ से क्या था। और हम जानते हैं...

43 इसे अपने मस्तिष्क में रखें, वह जानता है कि आपके ह्रदय में क्या है। वह जानता है कि आपका क्या अर्थ है। कोई मतलब नहीं हम क्या कहते हैं, वह जानता है कि आपका क्या अर्थ है।

44 और इस कारण हमेशा परेशानी हुई है। और वे,... सदा, शारिरिक सदा यत्न करता है, जब से कैन ने हाबिल को नष्ट किया, शारिरिक सदा आत्मिक के प्रभाव को नष्ट करने की कोशिश की है। हम भी हम यही चीज को पाते है, आज भी ठीक यही चीज हैं। यह सिद्ध करता है कि यह शैतान की ओर से आता है, क्योंकि यह एक द्वेष और सत्य की नकल है।

45 इसलिए, हम वास्तव में विश्वास करते हैं परमेश्वर अपना विचार कभी नही बदलता उसमें जो उसने कहा। वह सदा उसे सत्य बनाए रखता है।

46 परन्तु उसकी एक अनुमति की इच्छा है। अब, वहां, जहां परेशानी है। हम परमेश्वर की अनुज्ञा पर कार्य करने का यत्न करते हैं, और वह इसकी अनुमति दे देगा। परन्तु यदि हम उसकी अनुज्ञा को भी ले, यदपि यह सही नहीं है, वह अपनी अनुज्ञा को कार्यवन्त होने देगा, अपनी सिद्ध इच्छा को महिमा देने के साथ–साथ।

47 परमेश्वर के साथ कुछ भी गलत नहीं होगा। हम... वह जानता है कि समय कहां चल रहा है, आज रात्रि। कुछ भी गलत नहीं है। हर प्रहार ठीक उसी प्रकार से प्रभावित कर रहा है, जिस प्रकार से होना चाहिए, हर चीज। हम सोचते हैं यह गलत है, परन्तु वह जानता है कि यह सही है। इसे इसी प्रकार से होना चाहिए।

48 जैसे आरंभ में, परमेश्वर ने पाप को आने की अनुमति दी, उसने नहीं किया, यह उसकी सिद्ध इच्छा नहीं थी।

49 लेकिन, आप देखिए, परमेश्वर, महान आत्मा, पिता, उसमें गुण था, और यह चीजें जो आपने प्रगट देखी वह उसके गुण प्रगट हो रहे हैं। वह अकेला रहता है, वह यहां तक कि परमेश्वर भी नहीं था; परमेश्वर आराधना का पात्र था। वह एक महान अनन्त था। और उसमें गुण थे, जैसे कि पिता होना, बचाने वाला होना, चंगा करने वाला होना। और अब, कैसे वह

पहले... उसे पिता होना था, क्योंकि यह सिद्ध होता है कि वह पिता था, परन्तु वह अकेला रहा। वह अकेला ही अमर था। और, अब, परन्तु उसके गुण प्रगट होने थे।

50 अब, बचाने वाला होने के लिए, कुछ तो नष्ट होना था। और परमेश्वर जानबूझकर किसी चीज को नहीं खो सकता और फिर उसे छुड़ाए। यह उसकी पवित्रताई नही हो होनी थी और उसका महान न्याय। परन्तु परमेश्वर ने मनुष्य को स्वतंत्र नैतिक माध्यम में रखा, यह जानते हुए कि मनुष्य गिरेगा। और उसमें, तब, वह स्वयं मनुष्य बना, मनुष्य को बचाने की प्रकिया में जो गिर गया था। यही कारण था कि यीशु इम्मेनुएल था। यदि परमेश्वर अपने स्वयं के अलावा दूसरे व्यक्ति को भेजता, तो यह न्यायोचित ना होता। परमेश्वर को स्वयं ही आना था और स्थान को लेना था। और परमेश्वर आत्मा में नीचे आकर उस स्थान को नहीं ले सकता था, उसे देहधारी ही होना था, अपने ही रचित पुत्र की देह में।

51 और उसने यहां दर्शाया, कि आरम्भ में मनुष्य को भूमि की मिट्टी से रचने की सिद्ध इच्छा थी। परन्तु, आप देखते हैं, उसने कामुकता को बीच में आने की अनुमति दी। उसने कभी यह नही चाहा कि बालक शारिरिक इच्छा के द्वारा जन्मे, परन्तु यह अनुमति दी गयी थी, जो कि जल्द ही समाप्त हो जाएगी।

52 अब हम पाते हैं कि मोआब आरम्भ से—से ही अवैध था, क्योंकि वह लूत का पुत्र था, अपनी ही पुत्री के द्वारा। अब स्वाभाविक कलीसिया पर ध्यान दे, मोआब चित्रित करता है, स्वाभाविक कलीसिया को, मोआब और इस्राएल, आत्मिक कलीसिया को। अब, इस्राएल, दुल्हन, वो... बाहर बुलाए हुओं को चित्रित करता है।

53 *कलीसिया* स्वयं, वचन कलीसिया का अर्थ, “बुलाए हुए, बाहर निकाले गये,” वे जो बाहर आए। “उसमें से बाहर निकलो, मेरे लोगों! अलग हो जाओ, प्रभु कहता है, मैं तुम्हे अपने लिए ग्रहण करूंगा। उनकी अशुद्ध वस्तुओं को ना छुओ।” परमेश्वर की कलीसिया संसार में से बुलाई गयी है, संसार की दुर्व्यवस्था से। आप संसार के नहीं है।

54 जैसा कि मैं कहने का यत्न कर रहा था, उस रात्री, आपसे, यह जब कि आप जानते हैं कि आपके पास आपके—आपके अनंत छुटकारे का बयाना है, जो कि अब आप में है, पवित्र आत्मा के बपतिस्मे के द्वारा, यह

आपको पहले ही जिला चुका है। अब आप उसके साथ जी उठे हैं, और हम मिल कर मसीह यीशु के साथ स्वर्गीय स्थानों में बैठे हुए हैं। देखिए, अब आप संसार के नहीं है। यदि आप संसार से प्रेम करते हैं, और आपका प्रेम अब भी संसार की वस्तुओं पर है, तो फिर परमेश्वर का प्रेम आप में नहीं है। समझे? हम संसार से स्वतंत्र है। अब कोई भी इच्छा नहीं है।

55 इब्रानियों में, मैं विश्वास करता हूं 10वें अध्याय में, कहा, "प्रति वर्ष पाप का निरन्तर स्मरण होता था, उन पशुओ की देह चढ़ाई जाती थी। परन्तु इस मामले में, उपासक एक बार शुद्ध किया गया तो उसके विवेक में और पाप नहीं, और पाप की इच्छा नहीं।" आपसे सारी चीजे जाती रही, क्योंकि आप एक नये जीवन में जी उठे।

56 और फिर शारिरिक कलीसिया बस एक लोगों का झुण्ड है, नामधारियो में, जो सदस्य बने। यह और नहीं... मैं तो यहां तक कि "कलीसिया" भी नहीं कहता। मैं इसका उल्लेख नहीं करता। मैं तो इसको "सराय," के तरह कहता हूं मैथोडिस्ट सराय, बैपटिस्ट सराय, पेंटीकोस्टल सराय।

57 परन्तु कलीसिया तो मसीह यीशु में फिर से जन्म पाई हुई है जो कि नई सृष्टि है। और इसलिए हम इसे अब भी देखते हैं, कि परमेश्वर अपना वचन बनाए रखता है।

58 अब मोआब दिखाई दिया, मोआब ने नीचे मैदान में देखा और देखा परमेश्वर इन लोगों के मध्य में है, यहां तक कि यह लोग संस्थागत तक नहीं। ये तो बस एक जगह से दुसरे जगह घूमते फिर रहे थे। परन्तु विचित्र बात, ये इन राष्ट्रों पर चढ़ आए और उन्होंने उन्हें ले लिया। उनके मार्ग में हर चीज थी, उन्होंने उन्हें ले लिया। अब, उन्होंने पाया, मोआब की दृष्टी इस पर है, बालाक, उसने इस्राएल राष्ट्र पर दृष्टी डाली, और उसने कहा, "ये लोग सारी पृथ्वी पर छा गए हैं।" उसने कहा, "और इन्होने राष्ट्रों को साफ कर दिया हैं, जैसे कि बैल घास को चट कर जाता है।"

59 और उन्होंने एक महान बड़ा सिद्धान्त ढूढ़ लिया था कि कैसे उन्होंने यह महान प्रकाशन पाया, वहां उसके मध्य में एक भविष्यव्यक्ता था। उनके पास एक भविष्यवक्ता था, अब, कोई है जिसने उनकी अगुवाई की। यह कोई मानव निर्मित तंत्र नहीं, जिसका कि वह अभ्यस्त था, उसका—उसका प्रतिनिधी उसके साथ था, और आदि—आदि, परन्तु यह–... और उसके सम्मानित व्यक्ति, परन्तु उनके पास एक—एक अगुवे थे, एक

दिव्य कहलाने वाले अगुवे।

60 और, ओह, वह क्या ही दु:ख भरा दिन था, जबकी संसार की कलीसिया ने पवित्र आत्मा की दिव्य अगुवाई को छोड़ दिया, और एक बिशप को ले लिया या कुछ भी जिसने इसका स्थान लिया। यह दु:ख भरा दिन था। पवित्र आत्मा कलीसिया का अगुवा होना है। उसे यीशु मसीह के वचनों की पुष्टि के लिए भेजा गया है, कि कलीसिया को वैसे जीवित रखे जैसे यह आरंभ में जीवित थी।

61 अधिक समय नहीं हुआ, यहां नगर में—में एक बहुत प्रसिद्ध विद्यालय, एक धर्म विद्यालय। और उनका यहां एक फीनिक्स में है। और उनमें से एक मनुष्य, या एक–दो विद्यार्थी, मेरे पास आए और कहा, "भाई ब्रन्हम, हम आपको पसंद करते हैं। हमारे पास आपके विरोध में बिल्कुल कुछ नही है, परन्तु हम आपका थोड़ा सा सुधार करना चाहते हैं।"

62 और मैंने कहा, "अच्छा, ठीक है मैं निश्चय ही ठीक होना चाहता हूं।" इसलिए, और इसलिए मैंने कहा, "यदि मैं गलत हूं, तो निश्चय ही मैं गलत नहीं होना चाहता; मैं बहुत से लोगों से बात करता हूं।"

63 और उसने कहा, "ठीक है, यहाँ आपकी परेशानी है।" बोला, "आप इस बात का यत्न करते है या प्रेरितो के धर्म में फिर से रहना चाहते हैं। जब कि प्रेरितों का धर्म उन प्रेरितों के साथ समाप्त हो गया।"

और मैंने कहा, "जी हां, श्रीमान।" मैंने कहा, "अच्छा, अब यदि... "

उसने कहा, "अब, मैं इस विषय में आप से विवाद नहीं करूंगा।"

64 मैंने कहा, "ना ही मैं चाहूंगा। हम नहीं करते। हमें यह नहीं करना चाहिए। हम भाई लोग हैं।"

और उसने कहा, "ठीक है," उसने कहा, "मैं आपकी सहायता करना चाहता हूं।"

मैंने कहा, "मैं निश्चय ही मैं सहायता पाने का इच्छुक हूं।"

और उसने कहा, "अब, आप देखिए," उसने कहा, "अब यह... यह सत्य है।"

65 और मैंने कहा, "अब, बात करते हुए, हमें पाठ्यपुस्तकों का प्रयोग नहीं करना चाहिए।" मैंने कहा, "मैं अपनी वाली नहीं करूंगा," और मेरे पास कोई नहीं है सिवाये *इस* एक के। परन्तु आदि—आदि मैंने कहा, "मैं

पाठ्यपुस्तक का प्रयोग नहीं करूंगा, केवल बाईबल। और, आप भी, बस बाईबल प्रयोग करे।"

उसने कहा, "ठीक है।"

66 मैंने कहा, "अब, मैं विश्वास करता हूं कि प्रेरितायी कलीसिया पेंटीकोस्ट के दिन आरंभ हुई। क्या आप इससे सहमत हैं? "

उसने कहा, "हां, मैं हूं।"

67 मैंने कहा, "अब हम यह महसूस करते हैं कि परमेश्वर ने कलीसिया को वही सामर्थ दी, इन प्रेरितायी क्षणों के लिए।"

68 उसने कहा, "जी हां, यह कलीसिया की बनावट है। अब कलीसिया पहले ही व्यवस्थित है, और हमारे पास हमारे सारे सेवकगण हैं, और हमारी महान संस्थाये और चीजें। हमें उन चीजों की ओर आवश्यकता नहीं है, कि लोगों को खींचे।"

69 मैंने कहा, "अब बाईबल यह कहां कहती है? " मैंने कहा, "आप मुझे बताएं बाईबल यह कहां पर कहती है।" समझे?

और उसने कहा, "ठीक है, यह ठीक उसी प्रकार से नहीं कहा गया है।"

70 मैंने कहा, "तो, फिर, मैं इसे नहीं ले सकता, जब तक कि यह उसी प्रकार से ना कहा गया हो, देखा। देखा? " मैंने कहा, "हम... " मैंने कहा, "इसे इसी प्रकार से ही होना चाहिए।" मैंने कहा, "क्या आप विश्वास करते हैं कि परमेश्वर अब भी लोगों को बुला रहा है? "

उसने कहा, "जी हां, श्रीमान।"

71 मैंने कहा, "अब आप विश्वास करेंगे कि बाईबल सही है, हर उत्तर? "

"जी हाँ।"

72 मैंने कहा, "अब, पेंटीकोस्ट के दिन बोलने वाला, पतरस था, जिसके पास राज्य की कुजियाँ थी।"

"यह ठीक बात है।"

73 और मैंने कहा, "अब, जो कुछ भी उसका निर्णय था, यीशु ने कहा, 'जो भी तुम पृथ्वी पर बांधोगे, मैं स्वर्ग में बांधूंगा; जो कुछ भी तुम धरती पर खोलोगे, मैं स्वर्ग में खोलूंगा।'"

उसने कहा, "मैं इसका विश्वास करूंगा।"

74 मैंने कहा, "अब, प्रेरितो के काम के 2रे अध्याय और 38वें पद में, पतरस ने कहा वे जो अचम्भे में पड़े उन लोगों से कहा यह लोग अन्य–अन्य भाषाओं में बोल रहे हैं, और उन्होंने उससे पूछा बचने के लिए वे क्या कर सकते थे, और उसने कहा, 'तुम में से हर एक प्राश्चित करे, और अपने पापो की क्षमा के लिए यीशु मसीह के नाम में बपतिस्मा ले, तुम पवित्र आत्मा का दान पाओगे; क्योंकि यह प्रतिज्ञा तुम से, और तुम्हारी सन्तानों से, और जो दूर–दूर हैं, और जितनो को हमारा प्रभु परमेश्वर बुलाएगा।' अब यदि परमेश्वर अब भी बुला रहा है, तो उनके लिए वही प्रतिज्ञा है।"

75 ठीक है, वह यहाँ आया और बिली ग्राहम के एक झुंड के साथ था उन प्रार्थना सभाओं के लिए। और उनका झुण्ड यहाँ कहीं कैलिफोर्निया में बैठा हुआ है, कुछ सप्ताह पहले, वास्तव में ईमानदार गहरी प्रार्थना, परमेश्वर के लिए पवित्र, उपवास, और उस सारे झुण्ड पर पवित्र आत्मा उतरा और अन्य भाषाओं में बात करने लगे। और... उह–हुंह।

76 अब वह फ्रेंडली चर्च का—का सदस्य है, ट्यूसान, एरीजोना में असेम्बली ऑफ गॉड। उसने कहा, "ओह, भाई ब्रन्हम, मैं वहां जाता हूं और अच्छा अनुभव करता हूं!" कहा, "अपने हाथों को उठाता हूं, और," कहा, "परमेश्वर की महिमा हो! मैं बस गाता हूं!" और कहा, "मैं इसे न्यू टेस्टमेंट बैपटिस्ट चर्च में नहीं कर सकता।"

मैंने कहा, "मैं देखता हूं कि आप नहीं कर सकते। इसी कारण से आप बाहर है।" जी हां।

77 इसलिए आप यहां पर है, देखो, परमेश्वर अपना वचन बनाए रखता है। जो वह कहता है, वह उसे करेगा। परमेश्वर को अपना वचन बनाए रखना है।

78 अब हम यहां पर पाते हैं, कि, वह शारीरिक नकल जो मोआब के पास थी। उसने इस भविष्यवक्ता को इस्राएल के मध्य में देखा, यह इस योग्य था कि आशीष दे, श्राप दे, अगुवाई, और आदि–आदि, इसलिए राजनीति के द्वारा इससे मिलाने का यत्न किया।

79 अब यही है बस जो आज कलीसियाओ में बात जगह ले रही है। उन्होंने यह यत्न किया है किसी तरह के तंत्र के साथ इसे मिलाए। आप यह नहीं कर सकते।

80 पवित्र आत्मा कलीसिया में जीवित रहना चाहिए, हमेशा ही, कलीसिया की उस युग के लिए अगुवाई करते हुए, जिसमें वह रहता है, कि उस वचन की पुष्टि करे जो उस युग के लिए प्रतिज्ञा की हुयी है। परमेश्वर ने वचन बोला आरंभ से, और इतना ही *इस* युग के लिए, और इतना ही *उस* युग के लिए, और कुछ निश्चित *उन* युगो के लिए। ये सदा इसी प्रकार से हुआ है। और, देखिए, और पवित्र आत्मा कलीसिया में जीवित रहना चाहिए, कि कलीसिया को उस दिन में जीवित रखे। इसे यहां होना चाहिए, कि अंतिम दिनों की सेवकाई की पुष्टि करे, अन्त के दिनों के चिन्ह, अन्त के दिनों का पवित्र आत्मा का उंडेला जाना। इसे यह सब करने के लिए यहां होना है, और आप इसे कार्य करने वाले तंत्र से प्राप्त नहीं कर सकते। परमेश्वर का तंत्र है। वही वो एक है जिसने हमें पवित्र आत्मा दिया है।

81 अब, हम यहां ध्यान देते हैं कि मूसा के पास एक राजा था, और वह राजा परमेश्वर था, जिसने उसका अभिषेक किया। और बालाम भी एक राजा, बालाक के अधीन था। और यह राजनीतिक तंत्र के समान था, देखिए, बालाक। बालाम, एक परमेश्वर का भविष्यवक्ता, वह अपनी सूचनाओं के लिए बालाक के पास गया। मूसा परमेश्वर के पास गया सूचना के लिए। वहां एक अंतर था।

82 तब भी, वे दोनों भविष्यवक्ता थे, क्योंकि वे दोनों परमेश्वर के बुलाए हुए थे; दोनों परमेश्वर से मिले, दोनों ने परमेश्वर से बातें की, और दोनों आत्मा से भरे हुए थे। अब मैं घर आ रहा हूं, देखा। अब, वे दोनों आत्मा से भरे हुए मनुष्य थे। अब, यह सत्य है। बाईबल ने यह कहा है, “परमेश्वर बालाम से मिला और उससे बातें की।” समझे?

83 इसलिए हम ध्यान देते है, प्रत्येक भविष्यवक्ता वे दोनों परमेश्वर के भविष्यवक्ता होने के कारण, परमेश्वर के जन, उन्होंने अपने लोगो को अपनी अगुवाई में भोजन दिया। मूसा परमेश्वर से पोषित। और बालाम यहां बालाक द्वारा पोषित।

84 यहां ध्यान दें, आत्मिक और शारिरिक में प्रतिछाया, यह कितना सिद्ध था। मूसा, परमेश्वर के द्वारा भेजा गया, उस कर्तव्य के मार्ग पर, जो कि परमेश्वर के दूसरे मनुष्य से मिला और चुनौती दी गयी। क्या आप ऐसी कल्पना कर सकते हैं?

85 परन्तु देखिए, उनकी वहां क्या व्यवस्था थी। यह एक संस्थागत राष्ट्र

था।

86 और मूसा इस्राएल के बालको की अगुवाई कर रहा था, जैसे परमेश्वर उनको बताता कहाँ जाना है, एक अग्नि स्तंभ के द्वारा अगुवाई में, और एक अलौकिक अस्तित्व जो उनके मार्ग की अगुवाई कर रहा था। और मूसा अपनी सूचना उस वचन के द्वारा पा रहा था, निसन्देह वह परमेश्वर से निकला, वह अग्नि का स्तंभ; जो कि वाचा का दूत था, जो कि मसीह था, वो एक अभिषिक्त। और वह अपना संदेश वहां से ले रहा था, और इस्राएल के बालको को दे रहा था, जो की प्रतिज्ञा के देश के मार्ग पर थे।

87 परन्तु यह मनुष्य बस चुका था, और उसके पास उसका राज्य था। उसके पास उसकी कलीसियाये थी। उसके पास वहां हर चीज व्यवस्थित थी। इसलिए उसने इस व्यक्ति को बुलवा भेजा, कि यहां आकर और इन लोगों को श्राप दे। और ध्यान दें, क्या आप कल्पना कर सकते हैं, एक नबी, परमेश्वर का जन परमेश्वर के कार्यों को दूसरे मनुष्य के साथ देख रहा है, और परमेश्वर के उस कार्यो को चुनौती देने की—की कोशिश कर रहा है, जब कि वह जान गया, और भली प्रकार जानना चाहिए। अब बालाम, पहले जब... बालाक ने उसे बुलवा भेजा और उसे बताया कि, "यहां आकर और इन लोगों को श्राप दे।" अब बालाक ने वही चीज की, या...

88 बल्की, बालाम ने वही चीज करी, जो ठीक था, उसने परमेश्वर को खोजा। उसने पहले परमेश्वर को खोजा। अब, उसे यही करना चाहिए था।

89 और तब परमेश्वर ने उसे अपना सिद्ध, स्पष्ट उत्तर दिया, "उसके साथ ना जा! उन्हें रहने दे। लोगों को श्राप ना दे। वे आशीषित हैं।" अब, यह पर्याप्त होना चाहिए। जब परमेश्वर कुछ कहता है, तो वह उसे बदल नहीं सकता। ध्यान दें, उसकी सिद्ध इच्छा थी, "तू मत जा! उन लोगों पर आक्रमण ना कर। वे मेरे लोग हैं।" यह उसकी सिद्ध इच्छा थी।

90 परन्तु बालाम उन लोगों को आरम्भ से ही नहीं चाहता था। देखिये, आप यही है। आज हमारे पास कितने बालाम हैं? वही चीज, वही बात! वे अच्छी तरह जानते हैं।

91 वे हमारे प्रभु यीशु के दिनों में थे। नीकुदेमुस आया और कहा, "रब्बी, हम जानते हैं कि तू परमेश्वर की ओर से भेजा हुआ मनुष्य है, या एक— या, गुरु होकर परमेश्वर की ओर से आया है। मनुष्य इन कार्यो को नहीं

कर सकता जो तू करता हैं जब तक परमेश्वर उसके संग ना हो।” देखिए, वे इसे जानते थे। बालाम फिर वहां पर था, देखो।

92 अब, बालाम ने लोगों को पसंद नहीं किया। ध्यान दे उसका मुख्यालय। उसने जब कुछ और अच्छे व्यक्ति वहां भेजे कि उससे कहे, “अब कुछ लोग वहां आ रहे हैं। और मैं समझता हूं कि तू एक नबी हैं, तू महान व्यक्ति हैं, इसलिए तू यहां आ और इन लोगों को श्राप दे।”

93 बालाम ने कहा, “अब, आप एक मिनट रुके, जब तक मैं भीतर जाकर और प्रार्थना करूं, और पूरी रात्री रुकूं, सम्भव है प्रभु मुझसे मिले और वह मुझे बताएगा।” ठीक है, अगली प्रातः, प्रभु उससे मिला और कहा, “मत जा! उन लोगों को श्राप ना दे। वे आशीषित हैं।”

94 ठीक है, बालाम बाहर गया और कहा, “भाई, मैं नहीं जा सकता, क्योंकि प्रभु ने मुझे बताया है कि नहीं जाना।”

95 अब ध्यान दें जब वे वापस चले गए, और मुख्यालय को, उसके लिए कि वहां जाकर अपनी इस सभा को बन्द करे जो उनकी हुई थी, आप देखते है, तब मालूम करने आए, मुख्यालय ने और अच्छे लोगों का दल भेजा उच्च पद के, शायद एक बिशप, कोई और, यह राज्य का प्रेसबीटेर, किसी को वहां भेजा, “कि जाकर उससे कहो कि कैसे भी इसे रोके!” समझे?

96 ध्यान दें, उसका अच्छे प्रभाववाला झुण्ड, अच्छे उपहार, अधिक पैसा, कहा, “मैं तुम्हे और अधिक पद पर ऊंचा करूंगा। मैं तुम्हें बजाये एक साधारण मनुष्य के, तुम्हें अब थोडा और ऊंचा बना सकता हूं। मेरे पास यह करने का अधिकार है, कि इस बड़े क्षण में मैं यहाँ एक राजा हूं। और मैं—मैं तुम्हारे लिए कुछ अच्छा कर सकता हूं, यदि तुम बस इतना करो।”

97 ध्यान दें, नए प्रस्ताव ने उसे अंधा कर दिया। उसे मालूम होना चाहिए; कि परमेश्वर ने जो कहा, परमेश्वर करेगा। परन्तु इसने उसे अंधा कर दिया। और परमेश्वर के एक नबी के समान, उसे प्रभावित नहीं होना चाहिए था। ऐसे झुण्ड से उसे इस झुण्ड से बाहर हो जाना चाहिए था, आरम्भ से।

98 और यदि मैं किसी परमेश्वर के जन से यहां बातें कर रहा हूं, जब वे आपसे मुख्यालय में बताने की बात करते हैं, कि, “आश्चर्यकर्मो के दिन बीत गए,” और यह जो हम यहां कर रहे हैं, और प्रभु यीशु हमें आशीष दे रहा है, “और यह कट्टरपंथियों का झुंड है, जो चल और भावावेष में है, दिव्य चंगाई जैसी कोई चीज नहीं है,” ठीक वही उस झुण्ड से बाहर

आ जाओ। [भाई ब्रन्हम चुटकी बजाते हैं—सम्पा।] उससे बाहर आ जाए, क्योंकि यह परमेश्वर का वचन प्रगट हो रहा है। वे कहते हैं, "प्रेरितों के दिनों वाली जैसी कोई बात नहीं है। पवित्र आत्मा का कोई बपतिस्मा नहीं है। कि अन्यभाषाओं में बोल रहे है, यहां ऐसा कुछ नहीं है।"

99 ओह, परन्तु, भाई, आप इसे ना सुने! आज, बालाम जैसे बहुत है, जो अपने कार्यस्थल में बैठे है, और बाईबलो की इन पुस्तको को पढ़ रहे हैं और जानते हैं कि यह सत्य है। परन्तु फिर भी अपनी पदवी के कारण, वे इसका पक्ष नहीं लेंगे। यह बिल्कुल ठीक बात है। ध्यान दें, परमेश्वर... उसे मालूम था कि उसे इस झुण्ड में नहीं होना चाहिए, या बालाम को मालूम होना चाहिए था। वे, वे परमेश्वर की इच्छा से बाहर है। ये लोग आपसे परमेश्वर की इच्छा के बाहर ही बात करेंगे। जब आप परमेश्वर की इच्छा पाते हैं, तो फिर इसके बाहर किसी को अपने से बात ना करने दें।

100 मैं भले लोगों को जानता हूं, सभाओं में आते है, चंगे होते, और वापस चले जाते। और वे कहेंगे, "ओह, ठीक है, इससे कुछ लेना देना नहीं। आपने कार्य चला दिया। इससे कुछ नहीं।" और लोग संदेह में चले जाते है। मैंने लोगों को देखा कि आकर और मसीह को अपने ह्रदय में स्वीकार किया, वापस गए; सम्भव है अन्य भाषाओ में बात की, और वापस चले गए। और कलीसिया यह कहेगी, "क्यों, तुम एक—तुम एक मसीहत के लिए लज्ञा हो," और आदि-आदि। और, ओह, प्रभु, ऐसा ना—ना करो, देखो। उस झुंड से बाहर निकलो! इससे अलग रहो।

101 ध्यान दें, अनिश्चित वक्तव्य प्रयोग किया उसके विवेक के कारण, देखिए। उसने कहा, "सन्देह। आप एक रात्री और रुके, और मैं परमेश्वर से पूछूंगा, आपने देखा। हो सकता है वह अपना विचार बदल दे।"

102 परन्तु परमेश्वर अपना विचार नहीं बदलता। जब परमेश्वर हमें अपने पवित्र आत्मा देने की घोषणा हम से करता है, उस पेंटीकोस्ट के दिन, उसे उसी प्रकार से उसे बनाए रखना है। उसने सारे बाईबल के युगो में वही किया, और वह किसी भी समय जो व्यक्ति इस आधार पर आएगा जो उसने वहां दिया है। यदि आप आते है, विश्वास करते हुए, प्राश्चित करते हुए, अपने पापों की क्षमा के लिए यीशु मसीह के नाम में बपतिस्मा लेते हुए, और परमेश्वर पर विश्वास करते हुए, परमेश्वर उस लिखित के लिए बाध्य है, कि उसे पूरा करे, क्योंकि वह डॉक्टर है। और वह इसे पूरा करेगा

यदि आप—यदि आप इसका पालन करेंगे।

103 परन्तु आप अब इसका वाहन नही कर सकते कि इस नुख्से को लेने का यत्न करे, इसे किसी झूठे दवा विक्रेता के पास ले जाते है जो—जो इसमें कुछ और मिला सकता है। यह रोगी को मार डालेगा। यही कारण है कि आज हमारी बहुत सी मरी हुयी कलीसियाओ के सदस्य हैं, वे गलत लिखे नुस्खे को देने का यत्न करते हैं। परमेश्वर का नुख्सा यहाँ ठीक बाईबल में दिया हुआ है। वह कल, आज और सर्वदा एक सा है। आपको दवा ठीक उसी प्रकार से लेनी है जिस प्रकार डॉक्टर ने देने को कहा है।

104 बाईबल ने कहा, "क्या कोई नहीं—क्या गिलाद में कोई औषधी नहीं है; क्या वहां कोई वैद्य नहीं है? " निसन्देह, वहाँ है। कहा, "तो फिर क्यों मेरे लोगों की बेटियां इस दशा में है? "

105 देखिए, हमारे पास बाईबल है। हमारे पास डॉक्टर है। यह, बस, दवाई वाला जो वचन का गलत लेख भर रहा है। यह वही है। आप कहने का यत्न कर रहे हैं कि, "आश्चर्य कर्मो के दिन बीत गए। पवित्र आत्मा का बपतिस्मा जैसी कोई चीज नहीं है और यह सारी चीजें। यह निर्थक है।" बाईबल बिल्कुल ठीक है। परमेश्वर जो कुछ भी कहता है उसे वापस नहीं लेता। और वे एक अनिश्चित सा समाधान निकालते है, कुछ और दूसरा, "भाई, हम *यह* विश्वास करते हैं।" तो, इससे कोई मतलब नहीं कि आप क्या विश्वास करते हैं!

106 यही जो परमेश्वर ने कहा! उसने कहा, "मैं अपना आत्मा सब देहधारियो पर उंडेलूंगा।" उसने यह अंत के दिनों के लिए प्रतिज्ञा की है।

107 वे यह कहने का यत्न करते हैं, कि सभायें जो तुम देख रहे हो, वे मुझे कहते हैं, "एक भविष्य बताने वाला, एक—एक—एक चमकाया हुआ भविष्यवक्ता, या एक—या एक बालजबूब, या कोई शैतान।" उन्हें यह कहना ही है क्योंकि वे अपने पिता से हैं। यही है जो आरंभ में उसने यीशु के विषय में कहा। और जो भी है यह हम नहीं है, जो यह कर रहे है, यह वही यीशु है, क्योंकि वह कल, आज और सर्वदा एक सा है। यह उसका आत्मा है।

108 ओह, कुछ ऐसा जिसे हम छोड़ देते, दरकिनार करते है और–... उसके आदेश को दरकिनार करते है। बहुत से लोग दरकिनार करने का

यत्न करते हैं। “ओह, आकर कलीसिया के सदस्य बन जाओ, और यह ठीक हो जाएगा। हम एक पुरानी कलीसिया है। हम यहां बहुत वर्षों से है। हमने आरंभ किया... ” जी हां, यह ठीक बात है। यदि यह ऐसा है, तो फिर रोमन कैथोलिक कलीसिया ने आप सब को ले लिया; संस्थाओ में यह सबसे पहले हैं। वे पहले थे। परन्तु, स्मरण रखें, पहली कलीसिया नहीं। वे पहली संस्था है, और उनमें से प्रत्येक की मां थी। जिसमें, उनमें से प्रत्येक परमेश्वर के विरोधी है। प्रकाशितवाक्य 17 यही कहता है, देखा। जी हां, हम अंत के दिनों में हैं। अब, स्मरण रखें, परमेश्वर आपको होने देगा, यदपि, देखिए, अब।

और फिर बालाम, उसने सोचा, “अच्छा? ”

109 तब परमेश्वर ने उससे कहा, “बढ़ जा।” क्यों? परमेश्वर जानता था कि यह उसके ह्रदय के अन्दर है। परमेश्वर जानता था कि आरंभ से यह उसके ह्रदय के अन्दर है, इसलिए उसने उससे कहा, “जा चला जा।” वह इसकी अनुमति देगा। वह आपको यह करने की अनुमति देगा। बहुत सी बार वह आपको आशिष देगा इसे करने में।

110 यहां तक कि उसने इस्राएल को भी आशीषित किया... अनुग्रह ने उन्हें पहले ही भविष्यव्यक्ता दिया था, अग्नि स्तंभ, एक छुटकारा, एक चिन्ह और आश्चर्यकर्म, उन्हें मिस्र से बाहर निकाल कर लाया, और सब कुछ, और फिर भी वे व्यवस्था चाहते थे। परमेश्वर ने उन्हें यह लेने दिया, परन्तु सारे समय उसने उन्हें श्रापित किया।

111 उसने बिलाम को बस आगे बढ़ने दिया, जैसा वह चाहता था, परन्तु उसने क्या किया? वह वहां पर गया और, बजाए लोगों को श्रापित करने के, उसे लोगों को आशीषित करना पड़ा। वह उन्हें श्रापित ना कर सका जिसे परमेश्वर ने आशीषित किया।

112 और मैंने—मैंने आपको बताया, कि नौ बजे छोड़ दुंगा। और मैंने ऊपर देखा, और अब यह समय है, और मेरी कॉपी टिप्पणियों से भरी पड़ी है।

113 परन्तु मैं यह कहना चाहता हूं, अन्त में कि परमेश्वर अपना विचार नहीं बदलता। उसकी बिलाम के लिए सीधी इच्छा यह थी कि ना जाए। और जब परमेश्वर ने वक्तव्य दिया, तो इसे सदा तक सत्य रहना था।

114 अब, बाईबल ने कहा, “यीशु मसीह कल, आज और सर्वदा एक सा है।” अब, इसका अर्थ यह नहीं है, “किसी निश्चित तरीके में।” इसका अर्थ

तो वह कल, आज और सर्वदा एक सा है! यीशु ने संत यूहन्ना 14:12 में कहा, “वह जो मुझ पर विश्वास करता है, वे कार्य जो मैं करता हूं वह भी करेगा।” क्या यह ठीक बात है? उसने मरकुस 16 में प्रतिज्ञा दी, “विश्वास करने वालों के यह चिन्ह होंगे।”

वे कहते हैं, “तो ठीक है, यह केवल प्रेरितों के लिए था।”

115 उसने कहा, “सारे संसार में जाकर और हर प्राणी को वचन प्रचार करो। सारे संसार में उनके पीछे–पीछे चिन्ह जायेंगे, और हर प्राणी को। मेरे नाम से वे प्रेत आत्माओं को निकालेंगे। वे नई–नई भाषाए बोलेंगे। यदि वे सांपो को उठा ले, या विषेली वस्तू पी ले, तो इससे उनकी हानि ना होगी। यदि वे बीमारों पर हाथ रखेंगे, वे चंगे हो जाएंगे।” अब, यह उसकी योग्यता है।

116 देखिए, हम किसी योग्यता का यत्न करते है। हम यत्न करते हैं कि कलीसिया योग्य हो जाए, जो कि हम सोचते हैं कि परमेश्वर का वचन है। हम कलीसिया को योग्य नहीं बना सकते। हमें परमेश्वर की ही योग्यता को प्राप्त करना है।

117 मैंने हमेशा कहा है, यह मिलान का एक महान समय है। आप अपने सीढियों को लाल रंग ले, और देखिए आपका पड़ोसी भी लाल रंगता हैं। आप में से कुछ महिलाएं एक प्रकार की टोपी पहन ले, कलीसिया में, और देखिए बाकी भी वही ले लेगी।

118 श्रीमती जैकलीन कैनडी ने यह वाटर हेड वाले बाल कटवाए, और सारी स्त्रीयों को देखो। उसने वह ढीला रंगबिरंगा कुर्ता पहना, या इस प्रकार की चीजे, यह महिलाओं के लिए सड़क पर होना लज्ञाजनक था, उनके साथ खींचा हुआ इस प्रकार से पहनना। सारी स्त्रीयों को देखो वही काम कर रही है। यह एक नकल है, परन्तु यह संसार में है। कलीसिया के लोगों ने यह ले लिया, और यह जो वे करते है लज्ञाजनक हैं। उनके लिए यह करना गलत है, और यह अपमानजनक है। और जब हम इसे पेंटीकोस्टल में अन्दर घुसते हुए देखते हैं, यह और भी अपमानजनक है। यह ठीक बात है। परन्तु, आप देखिए, कलीसिया इसे पहनती है और इसे चलने देती है।

119 अब, हम चिन्ता नहीं करते। मैंने कभी यह चिन्ता नहीं की चाहे मेरा कोट पेन्ट से मेल खाए, या नही या मेरी टाई कोट से। मैं चाहता हूं कि मेरा अनुभव परमेश्वर की बाईबल से मेल खाए और उसकी मांग के साथ।

और यही जो हम पेंटीकोस्टल लोगों को करना चाहिए, हमारा अनुभव भी उनके जैसा हो, क्योंकि वह वही यीशु है, वही पवित्र आत्मा, वही सामर्थ। वह आज जीवित है, और वह हमारे मध्य में जीवित है।

120 इसने मुझे एक दिन की याद दिलायी उसकी मां येरूशलेम से छोड़कर चली गई, इस आराधना से, और उसका पालने वाला पिता, यूसुफ। और वे तीन दिन की यात्रा कर गए, और यह मानते हुए कि वह उनके साथ था, और जब उन्होंने ढूंढा तो वह वहां नहीं था।

121 और, आप जानते हैं, मैं उसे आज के समान चाहता हूं। आप जानते हैं, कलीसिया ने तीन स्तरीय यात्रा कर ली है। लूथर, वैसली, पेंटीकोस्टल; तीन स्तर की यात्रा। परमेश्वर उन्हें संदेश देगा, न्यायोचित, लूथर, इस पर टिका था; तब पवित्रीकरण वैसली के द्वारा आता है; तब पवित्र आत्मा का बपतिस्मा, पेंटीकोस्ट के साथ। और मैं सोचता हूं यदि हम कहीं इस बदमिजाजी से नहीं अलग होते, कि कही बड़ी और महान चीजें बनाए, जैसे कि बिलाम के अपने विचारो में था; महान संस्थाए, वे—वे एक दूसरे से आगे बढ़कर, और *यह* वाला अधिक, और संडे स्कूल के लिए मेडल और स्टार दे रहे हैं और कौन अधिक सदस्यों को ला सकता है, और किसी भी प्रकार से कलीसिया में ला सकता है।

122 मैं आपको बताता हूं, केवल एक कलीसिया है, उसमें कोई ढोंगी नहीं है, वह प्रभु यीशु मसीह की कलीसिया है, जिसका पवित्र आत्मा के द्वारा बपतिस्मा हुआ है। आपको उसमे राजी नही किया गया हैं। आप उसमें जन्मे हैं। आप वहां पवित्र आत्मा के द्वारा भेजे गए है।

123 उन्होंने पाया, अभिभावक ने पाया कि वह उनके बीच में नहीं है।

124 अब इस घड़ी में, यह महान संकट चल रहा है, जबकी हम जानते हैं कि यह राष्ट्र हिल रहा है। केवल राष्ट्र ही नहीं, परन्तु संसार हिल रहा है। यह अंत के समय में है। जो मैं जानता हूं और कोई दूसरी चीज घटित नहीं होनी है सिवाए उठाए जाने के, प्रभु यीशु मसीह का आगमन। यह सब तैयार है।

125 और हम इस इकट्ठे होने को देखते हैं। ओह, हर लाभ को ले, यह बेदारी सभा आ रही है, हर चीज जो इससे ले सकते आप ले ले, यह परमेश्वर का है। यदि आपने पवित्र आत्मा नहीं पाया है, तो इसे अपने मस्तिष्क में रख ले, जब तक आप इसे नही पायेंगे, आप जाने वाले नहीं। इसे करने की यही विधी है। वहीं टिके रहे, क्योंकि आप... हो सकता है आपका अंतिम

सुअवसर हो। सम्भव है पश्चिमी किनारे पर कोई दूसरी बेदारी सभा ना हो। यह हो सकता है समुद्र के नीचे हो, उस समय, इसके पहले दूसरा वाला। इसलिए हम नहीं जानते क्या घटित हो सकता है, इसलिए हम... हम परमेश्वर के न्याय की प्रतीक्षा कर रहे हैं कि राष्ट्रों पर आए।

126 अब मैं यह कह सकता हूं। उन्होंने सोचा वह साथ–साथ है। परन्तु उन्होंने पाया, संकट में, कि वह नहीं था। देखिए, वह उनके साथ ना था।

127 अब हम समय में पाते हैं, कि जब यह बड़ी चीज लाई गई, और हम पाते हैं कि हम अपनी कलीसियाओं में कुछ चूक रहे हैं, और वह मसीह की सामर्थ है।

128 अब, देखिए, मैं आलोचना नहीं करना चाहता। मैं आपसे प्रेम करता हूं, एक वास्तविक सच्चा प्रेम सदा सुधारने वाला होता है। अब हम मसीह को अपनी कलीसिया में नही पाते। हम मसीह को अपने पेंटीकोस्टल लोगों के मध्य में नही पाते, हमारे भाई और बहने। कुछ गड़बड़ है। पुराने चलन की प्रार्थना सभाये जो हुआ करती थी, सारे दिन और रात्री, अब वे नहीं होती। हमारी महिलाए लंबे बाल रखा करती थी; अब वे ऐसा नहीं करती। यह स्त्रियों के लिए लज्जा की बात है कि रंग और रंग का प्रयोग करती है, पहले आरम्भ के दिनों में, और जिस प्रकार यह महिलाएं व्यवहार करती थी। कुछ तो गलत है। मसीह में गलती नहीं, देखिए, कुछ तो गलत हुआ है। कुछ कहीं तो। प्रचार मंच, ऐसी चीजो की अनुमति नहीं देते थे, परन्तु अब वे देते है। देखिए, संकट बढ़ रहा है, और हम कुछ खो रहे हैं।

129 हम उस सामर्थ को खो रहे हैं जो हमारे पास होनी चाहिए, जहां कि महान यंत्र चलना चाहिए, और महान चिन्ह और आश्चर्यकर्म। तो ठीक है, यह भवन परमेश्वर की सामर्थ से भरा होना चाहिए, अब, जब तक कि एक पापी यहां टिक नहीं सकता था; पवित्र आत्मा इसे दोषी ठहरा रहा है, जल्द ही ठीक वैसे, जैसे हनन्याह और सफीरा। और हम किसी चीज को खो रहे हैं।

130 अब क्या घटित हुआ? वे उसे ढूंढने गए अपने रिश्तेदारों में, और उन्होंने उसे उनके रिश्तेदारों के बीच नहीं पाया। तो फिर उसे उन्होंने कहाँ पाया? ठीक वही जहां उन्होंने उसे छोड़ा था।

131 और मैं सोचता हूं, हमारी कलीसिया इस बड़ी संगठनात्मक होड़ में भाग लिया, जो हमारे पास था, एक दूसरे को हरा रहा है, और बड़ा आराधना

स्थल होना ही है, और अच्छे स्तर के लोग, और अच्छे कपड़े पहनने वाले लोग, और अच्छे गायक, और वहां खड़े हो और...

132 मुझे अच्छे गाने पसंद है। मुझे अच्छे पुराने पेंटीकोस्टल गाने पसंद है। परन्तु मैं बनावटी को बर्दाश्त नहीं कर सकता, बस यह मेरे साथ नहीं चल सकता; कि आप तब तक साँस को खींचते रहे जब तक कि चेहरा नीला पड़ जाए, बहुत कठिन है। मैं—मैं ह्रदय से गाए हुए गाने में विश्वास करता हूं, परमेश्वर के आत्मा में, जैसा मैंने थोड़ी देर पहले सुना। समझे?

133 मुझे पुराने तरीके का चिल्लाना अच्छा लगता है, परन्तु मैं सोचता हूं चिल्लाना जारी रह सकता, यदि संगीत चले या ना चले। परमेश्वर का आत्मा लोगों पर, यह परमेश्वर की आशीषे और सामर्थ को नीचे लाता है। मैं विश्वास करता हूं मनुष्य गवाही दे सकता है, गा और परमेश्वर की स्तुति कर सकता है, अपने-अपने कार्य स्थल पर, जहां कहीं भी वे हैं। सच्चे है।

134 और अब हम कही असफल रहे हैं। हम उसे कहां पाएंगे? ठीक वही जहां हमने उसे छोड़ा है, वचन में।

आइए हम प्रार्थना करें।

135 प्रिय स्वर्गीय पिता, इन्ही किन्ही रातों में हम बाईबल को अंतिम बार बंद करने जा रहे हैं, अंतिम गीत गाया जाएगा, अंतिम प्रचार प्रचारा जाएगा, अंतिम प्रार्थना पंक्ति बुलाई जाएगी, अंतिम पापी भीतर आयेगा। और फिर क्या? ओह प्रिय परमेश्वर, हम आपकी अनुमति वाली इच्छा नहीं चाहते हैं, पिता। हम आपकी सिद्ध इच्छा में चले। हम बस—बस इधर उधर से वचन लेकर, और धर्म सिद्धांत में या एक मतसार में, या किसी चीज में फिट ना बैठा ले। आइए हम वचन को जैसा है वैसा ही लें, पूर्ण सुसमाचार का विश्वास करे, वह सब जो यीशु ने हमें करने के लिए सिखाया है। हम विश्वास नहीं करते है कि प्रेरितों के कार्य बस एक रुपरेखा है। हम विश्वास करते हैं कि यह परमेश्वर का वचन है, यह आपके पवित्र आत्मा का कार्य प्रेरितों में है। और हम विश्वास करते हैं कि वही पवित्र आत्मा, प्रभु, जो उन पर आया, और जिस प्रकार उन्होंने व्यवहार किया, यह वही चीजें हम में करेगा, जब यह हम पर आता है, यदि यह वही आत्मा है।

136 इसलिए प्रिय परमेश्वर, मैं प्रार्थना करता हूं, कि यह बेदारी सभा जिसके समय पर हम है कि कल रात्री आरंभ करे। मैं प्रार्थना करता हूं, स्वर्गीय पिता, कि यह एक महान बेदारी सभा होगी जो इस नगर में कभी हुई उसकी

उपस्थिति के कारण। प्रत्येक वक्ता को आशीषित करे, ओह परमेश्वर, होने पाए यह इतना—इतना हिलाने वाला हो, कि परमेश्वर का क्रोध प्रचार मंच पर गर्जे। होने पाए पापी हिल जाए, कांपे। होने पाए यीशु मसीह की उपस्थिति लोगों पर इतनी वास्तविकता में आए, कि वे बस अपनी आंखें बंद कर सके और उसे अपने मध्य में चलते हुए देखे। प्रभु, इसे प्रदान करें।

137 अब, आज रात्री, इसके पहले यह घटित हो कि हम प्रार्थना कर रहे हैं... प्रिय परमेश्वर, हमारे कुछ बालक बीमार हैं। वे घायल हुए है, और—और उनके चोटे आयी। मैं उनके लिए प्रार्थना करने को आया हूं। जो मैं आपसे मांगूगा, क्या आप उसको सम्मानित करेंगे आज रात्री, प्रभु, उनकी बीमारी हेतु? मैं आप पर भरोसा करता हूं, कि सभा समाप्त होने के बाद इस भवन में एक भी दुर्बल व्यक्ति ना हो।

138 यहां आपके सारे के सारे सेवक बैठे हैं, चिल्ला रहे है और अपने हाथों को ऊपर उठा रहे हैं, और यहाँ पीछे मंच पर, और वचन को "आमीन" कह रहे है। पिता, हम लोगों की एक इकाई है। हम संसार से बाहर निकल कर आए हैं, उन ठंडी औपचारिक स्थितियों में से, और हम आत्मा से जन्मे है। आज रात्री हम जीवित है। और आप ने कहा, क्योंकि आप जीवित है, तो हम भी जीवित थे। और हम प्रभु पर विश्वास कर रहे हैं, और अपने पूर्ण ह्रदय से विश्वास कर रहे हैं, वचन के अनुसार, कि हमारा प्रतिनिधित्व आप में हैं।

139 अब अपने वचन को वास्तविक बनाएं, आज रात्री बीमारों को चंगा करें, जैसा कि मैं उनके लिए प्रार्थना करता हूं, और ये दूसरे प्रार्थना करते हैं। प्रभु, इसे प्रदान करे, ये ऐसा होगा। और इसके लिए हम आपकी स्तुति करेंगे। यह हम यीशु के नाम में मांगते हैं। आमीन।

140 अब... [कोई अन्य भाषा में बात करना आरंभ करता है। टेप में खाली जगह—सम्पा।] पिता परमेश्वर, आपका धन्यवाद।

141 हम अनुभव करते हैं, कि जैसे बाईबल में एक बार, वे संकट के विरुद्ध उठ खड़े हुए, और प्रभु का आत्मा एक मनुष्य पर उतरा और उसने उसको बताया कि शत्रु को कहां हराना है, कहां जाना है। इसे सुनिए। बस स्वयं को ठीक करे। देखिए, जीवन का आत्मा आप में है, आपको वचन में सही करता है। देखिए, यदि वचन आप में जीवित है, तो यह अपने स्वयं में वचन में होकर जीता है।

142 अब, गत रात्री मुझे देर हो गई। अब, आप ऐसे अच्छे लोग है, मैं बस... ऐसा लगता है, और जैसे–जैसे मैं बूढ़ा हो रहा हूं, मैं—मैं—मैं मेरी इच्छा है कि मैं... मैं दूसरे देश में, आपके साथ सदा रहूंगा।

143 सो अब हम बीमारों के लिए प्रार्थना करने जा रहे हैं, और अब मैं यह यत्न करने जा रहा हूं कि बहुत से लोगों को एक बार में ना बुलाऊं, जैसा कि मैंने पिछली रात्री किया। और अब, बिली पॉल ने ढेर सारे प्रार्थना पत्र बांट दिए है, मैं समझता हूं सौ के आसपास। क्या तुमने सौ या दो? दो सौ। वे क्या थे? सी।

144 किसके पास सी नंबर एक है? अपना हाथ ऊपर उठाये, हम देखें यदि यह सही है, अब। प्रार्थना कार्ड, अपने कार्ड पर देखे, इस पर एक नंबर है और एक—एक और अक्षर है। सी, नंबर एक, अपना हाथ उठाये। ऊपर की ओर। वहां ठीक है, यहाँ नीचे आ जाए। नंबर दो, तीन, चार, पांच। अब, और, आप, कोई यहाँ पर है और इन्हें पकड़े। अब हम चाहते है हर एक जिसके पास प्रार्थना पत्र हैं, परन्तु हम चाहते हैं कि वे यहां *इस* ओर पंक्ति बना ले। एक, दो, तीन, चार, पांच। मैं उन तीनो को देखता हूं। और श्रीमान आपका प्रार्थना कार्ड? चार। अब वहां दूसरा वाला? पांच, क्या वह व्यक्ति जो वहां आ रहा है? एक, दो, तीन, चार, पांच। सी, नंबर एक, दो, तीन, चार, पांच। ठीक है, अब वैसे ही आए जैसे बुलाये जाता है, आपके नंबर।

145 इसलिए, गत रात्री, मैंने उन्हें वहां नीचे देखा, लोग भीड़ लगा रहे है। हम यह नहीं चाहते। यह आराधनालय है, आप जानते हैं, तमाशा घर नहीं। इसलिए, हम—हमें, आपको व्यवस्था बनाए रखना है।

146 एक, दो, तीन, चार, पांच, छह, सात, आठ, नौ, दस। अब जैसे यह पीछे जाते हैं, इनकी पंक्ति बनवा दे। अब, प्रार्थना पत्र छह, सात, आठ, नौ, दस। और कोई इनके हाथ पकड़ ले जब वे आते... जब वे वहां पंक्ति में आते हैं। और हम इनके लिए प्रार्थना करेंगे।

147 अब कितने मेरे साथ यह विश्वास करने जा रहे हैं कि प्रभु यीशु एक महान कार्य करने जा रहा है? जो मैं कर सकता हूं मैं करूंगा। अब छह, सात; छह, सात, आठ, नौ, दस, ग्यारह, बारह, तेरह, चौदह, पंद्रह।

148 अब जरा इधर को आ जाये, ताकि वे एक दम भीड़ ना लगाए, आप जानते हैं, और इसके चारो ओर। यही जिसके लिए जो नम्बर आपको दिए

गए हैं, ताकि व्यवस्था बनी रहे, आप जानते हैं। ऐसा बनाए रखे, यह नहीं होगा... तब जब आपका नंबर पुकारा जाए, तो, आप बस आ जाए। ठीक है, और अब हम चाहते हैं...

149 अब मैं चाहता हूं कि सब, हर कोई, अब वास्तव में श्रद्धा में हो। और अब लगभग प्रार्थना में होंगे कि, जब तक इन लोगों के लिए प्रार्थना ना हो जाए। और हम नहीं जानते प्रभु क्या कर सकता है। हम नहीं जानते वह क्या करेगा। परन्तु हम आशा कर रहे है कि वह महान चीजें करेगा।

150 अब, मैं विश्वास करता हूं, पंद्रह, क्या मैंने वहां इतने अभी ले लिए हैं? बिली पॉल, तुम कहां हो? ठीक है। पंद्रह, सोलह, सत्रह, अठारह, उन्नीस, बीस।

151 अब, देखो, यह पहले ही जमघट लगाए हुए हैं। इसलिए मैं अब सम्भवत:, किसी भाई को लेने जा रहा हूं, जैसे कि वे पंक्ति के अंत में आए, तो वह अगले नंबरों को बुला ले, इसलिए ताकि हम सबी को देर तक खड़ा नहीं रखेंगे, जब कि हम प्रार्थना कर रहे होते हैं इन—इन बीमार लोगो के लिए। ठीक है। अब हम—हम करेंगे... मैं चाहता—चाहता हूं कि आप...

152 मैं आपसे बात करना चाहता हूं, जबकि वह लोगों को बुला रहे हैं ताकि वे यहां आपस में झुण्ड ना बना ले।

153 अब, जब तक आपका—आपका नंबर ना पुकारा जाए कोई भी नही आएगा। हमने पंद्रह तक बुलाए है मेरा विश्वास है, ये या बीस थे, कुछ वहां थे, मैं बीस तक कहूंगा, और फिर हम प्रतीक्षा करें। और ये वहां पर्याप्त होगे, इस समय, जितने भी वहां पर है।

154 और अब वहां कितने कार्ड है? अपने हाथ उठाये। और कितनो के पास कार्ड नहीं है? अपने हाथ ऊपर उठाये।

155 अब, स्मरण रखें, आपके पास आवश्यक नही कि प्रार्थना पत्र होना ही है। हम यहां पर दो रातों से हैं, और प्रत्येक रात्री पवित्र आत्मा भक्त मण्डली पर गया और लोगों को चंगा किया, प्रार्थना कार्ड से मतलब नही। क्या यह ठीक बात है? प्रार्थना कार्ड आपके लिए केवल एक कार्य कर सकता है, कि पंक्ति में आने के लिए आपकी सहायता करे। यह ठीक बात है। परन्तु आपके पास विश्वास है, और आप देखे पवित्र आत्मा मंच से निकल गया

हैं, ठीक यहाँ, और वहां भक्त मण्डली के मध्य में है। कितने जानते हैं कि यह सच बात है?

156 अब, मैं—मैं विश्वास करता हूं, पक्की तौर से विश्वास करता हूं, यदि कोई और कलीसिया है पेंटीकोस्टल कलीसिया को छोड़ कर, जिसके साथ मैं—चल सकता और विश्वास करता कि, मैं इसके साथ रहूंगा, यदि मैंने सोचा कि वहां कुछ भी अच्छा था। और जब आप मुझे कहते सुनते है कुछ संस्थाओं के विषय में, और इस प्रकार की बातें, मैं लोगों के विरोध में नहीं हूं। क्योंकि...

157 क्या हो यदि आप देखे एक मनुष्य जिससे आप प्रेम करते हैं, नाव में चढ़ा हुआ झरने की ओर बहता जा रहा है, और जानते हुए कि नाव उसके साथ डूबने जा रही है, और आप कहते हैं, "भाई, मैं उससे प्रेम करता हूं, परन्तु यह उसका—उसका अपना मामला हैं"? नहीं, मैं यह नहीं कर सकता। यह मुझ में नहीं है। मैं चिल्लाऊंगा, भागूंगा और उसे पकड़ लुंगा, उसे हिलाऊंगा, झटकुंगा, या ऐसे ही कुछ कि उसे वहां से बाहर निकाल लू, देखो।

158 और मैं जानता हूं कि झरने में नहीं तैरेंगे। यह ठीक बात है। इसे मसीह के पास वापस आना ही है, जैसे कुछ निश्चित है। इसे परमेश्वर के—के पास वापस आना ही है। अब मैं—मैं...

159 यहां जितने है इससे पहले मेरी सभाओं में थे, क्या यह ठीक बात है? अपने हाथ हाथ ऊपर रखे यदि आप सभाओ में थे। ठीक है। क्या कोई...

160 क्या कोई नया आया है जो पहले मेरी सभाओं में नहीं था? अपने हाथ ऊपर करे। अच्छा, क्या आप... मैं कभी नहीं... क्या यह पहली बार है कि आप मेरी इस सभा में रहे हैं? फिर से अपना हाथों को उठाये। अच्छा, मैं—मैं—मैं आपको बताता हूं, मैं...

161 अच्छा हो कि मैं इसे बदल दूं। [एक भाई कहता है, "अपनी सेवकाई के लिए थोड़ा सा बताए।"—सम्पा।] अच्छा, मैं—मैं ठीक करुंगा।

162 आप, आप लोगों के लिए जो अभी–अभी आए हैं, मैं—मैं करने जा रहा हूं... यह मैं कुछ और अधिक समय लगेगा। मैं इसकी व्याख्या करूं, क्योंकि आप लोग गलत प्रभाव के साथ जायेंगे, देखिये।

163 मैं परमेश्वर के हर कार्य में विश्वास करता हूं। परन्तु मैं विश्वास करता हूं कि बाईबल ने हमसे प्रतिज्ञा की है, कि अन्त के दिनों में वहां फिर से

आने वाला है, कलीसिया में फिर से वही पद्धति आने वाली है, जब यीशु छोड़ कर गया था। देखिए, यह दुल्हन है, इसे उसी स्थान पर ही आना है। देखिए, हम परमेश्वर के महान कार्यों में से होते हुए आए हैं, न्यायोचित, पवित्रीकरण, और पवित्र आत्मा के बपतिस्मा, वरदानो की वापसी। परन्तु अब्राहम के वंश के अनुकरण में...

164 अब, मैं अनपढ़ हूं, और इसलिए मुझे यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले के समान कुछ उपयोग करना होगा। वह भी अनपढ़ था। वह जंगल में गया, वह लगभग नौ वर्ष का था, और उसने कभी भी शिक्षा नहीं पायी। इसलिए उसका उपदेश अधिकांश प्रकृति पर आधारित होता था, "ओह तुम सांप के बच्चो।" देखिए, सबसे खराब चीज जो उसने देखी, और इतने चालाक, और उसने उन याजको को "सांप" कहा। उसने कहा, "तुम सांप के वंश, किसने चेताया कि आने वाले क्रोध से भागो? यह मत कहो कि, 'हमारे पास *यह* है, और हम *इस* से संबंध रखते हैं।' परमेश्वर योग्य है कि इन पत्थरों से," यही जो उसने नदी के किनारे पर देखा, "अब्राहम के लिए सन्तान उत्पन्न करने के लिए। और, यह भी कि कुल्हाड़ा," यही है जो जंगलो में प्रयोग होता है, "पेड़ की जड़ पर रखा है। और हर पेड़ जो अच्छा फल नहीं लाता, वह काटा जाएगा।" वह यही जलाता, और इसी से जलाने की लकड़ी लेता, आपने देखा। परन्तु अच्छे पेड़... वह—वह उसने अपना उपदेश ऐसा ही बनाया।

165 इसलिए, इसमें, मैं भी इसे इस रीति से—से कहना चाहता हूं। हम अंत के समय में हैं, कटाई का समय।

166 अब, अब्राहम की यात्रा में, वह परमेश्वर से भिन्न-भिन्न रूपों में मिला, और आदि-आदि, जिसको कि हम लेकर और इसे दर्शा सकते हैं। बस, हम अब्राहम के वंश हैं, यदि हम मसीह में हैं। और वास्तव में इसहाक उसका—उसका लघु पुत्र था; वह उसका मैथुनिक पुत्र था। परन्तु, आत्मिक, मसीह अब्राहम का वंश था, उसका राजकीय वंश, उसका विश्वास।

167 अब हम पाते हैं कि उसका शाही वंश उसी प्रकार की यात्रा करता है, जो कि, मसीह की दुल्हन उसी प्रकार की यात्रा करती है जो अब्राहम ने की। और अंतिम चिन्ह जो अब्राहम ने देखा, इसके पहले की प्रतिज्ञा का पुत्र आये, वह जब परमेश्वर मनुष्य की देह में प्रगट हुआ, और दो स्वर्गदूत नीचे आए।

168 यीशु ने संत लूका 17वें अध्याय में कहा और 30वां पद, कि, “जैसा यह नूह के दिनों में था।” उसने नूह के समय की बात बताई। और कहा, “जैसा सादोम के दिनों में था,” देखिए, उसका आगमन, “ऐसा ही उन दिनों में होगा जब मनुष्य का पुत्र प्रगट हो रहा होगा।” अब, उसने यह कभी नहीं कहा “परमेश्वर का पुत्र” प्रगट हो रहा होगा। “मनुष्य का पुत्र!”

169 अब, यीशु तीन नामों में आया। मनुष्य का पुत्र, जो कि एक भविष्यव्यक्ता है; परमेश्वर का पुत्र, जो कि कलीसिया युग में होते हुए निकला; उसके बाद दाऊद का पुत्र। परन्तु परमेश्वर के पुत्र और दाऊद के पुत्र के बीच, उसके वचन के अनुसार, और मलाकी 4 के अनुसार और बहुत से पवित्र वचन, उसे अपनी कलीसिया में वापस आना है, शारिरिक रूप में, लोगों में, एक... मनुष्यो के मध्य में, भविष्यव्यक्ता के तरीके में होते हुए। समझे?

170 अब देखिए इस मनुष्य ने क्या किया जब वह अब्राहम से मिलने को आया। पहली बात, उसने अब्राहम को उसके नाम बदलने के विषय में बताया, क्योंकि उसने उसे अब्राम कहकर नहीं बुलाया, उसने उसे अब्राहम कह कर पुकारा। और जब उसने किया, क्यों, हम यह पाते हैं कि—कि उसने कहा, “तेरी पत्नी साराह कहां है? ” एस–ए–आर–ए–एच; ना ही एस–ए–आर–आर–ए।

171 “क्यों,” उसने कहा, “वह आपके पीछे तंबू में है।”

172 अब उसने कहा, वह नब्बे वर्ष की थी और अब्राहम सौ वर्ष का था, और उसने कहा, “मैं प्रतिज्ञा के अनुसार तुझसे मिलने वाला हूं, जीवन के समय में।”

173 और साराह भीतर, उसको सुना, तंबू के पर्दे में से, और वह अपने आप में हंसी। और दूत, मनुष्य वहां बैठा हुआ है, बोला, पीछे उसकी आत्मा को जांच लिया, उसके पीछे की ओर, और बोला, “साराह तू क्यों हंसी, इन बातों के विषय में? ”

174 भाई, उन्होंने साराह से बोला, और उसने इस बात का इन्कार किया। उसने कहा, “परन्तु तूने यह किया है।” वह डरी हुई थी।

175 अब यीशु ने कहा, परमेश्वर के पुत्र के आने से जरा पहले, या पुत्र का... दूसरा आगमन, कि यह युग जिसमें हम जी रहे हैं...

176 वह एक मनुष्य के पुत्र के समान आया, एक भविष्यवक्ता, क्योंकि यह पवित्र वचन को पूरा करता है। मूसा ने कहा, “प्रभु तुम्हारा परमेश्वर मेरे

समान एक भविष्यवक्ता उठा खड़ा करेगा।" हम सब जानते हैं कि वह यीशु था। क्या हम नहीं? इसलिए उसे वचन के अनुसार ही आना था, एक भविष्यवक्ता। उसने स्वयं को कभी भी परमेश्वर का पुत्र नहीं कहा; उसने स्वयं को मनुष्य का पुत्र कहा।

177 परन्तु अब वह है, अब कलीसियायी युगो में होते हुए, वह परमेश्वर का पुत्र है। सह–स्त्रशताब्दी में वह दाऊद का पुत्र होगा, दाऊद के सिंहासन पर बैठा हुआ। परन्तु इस समय के बीच में, हम वचन के द्वारा पाते हैं, उसे स्वयं को एक बार फिर मनुष्य के पुत्र में प्रगट होना है, एक भविष्यव्यक्ता।

178 क्योंकि, प्रभु का वचन केवल भविष्यद्वक्ताओं के पास आता है, धर्म ज्ञानियों के पास कभी नहीं। यह भविष्यद्वक्ताओं को। और प्रभु ने कहा उसने कुछ नहीं किया, अपने ना बदलने वाले वचन जिसके विषय में हमने बात करी, जब तक कि पहले वह अपने नबियो को ना दिखाए। और अंत का समय, वे सात मोहरे जो इस बाईबल ने मोहरबंद थी, वो सारे मसीह सात प्रकार के भेद, पहले प्रगट होना है, और यह केवल नबी के पास लाया जा सकता है। हम वर्षो से इसकी प्रतीक्षा कर रहे थे, और हम विश्वास करते हैं कि अब उसका आत्मा हमारे बीच में है, इसलिए हम पाते हैं...

179 अब ध्यान दे जब यीशु आया, ध्यान दें उसने क्या सिद्ध किया कि वह स्वयं वह मसीहा है, वह अभिषिक्त। एक दिन, जब उसने प्राप्त कर लिया था... पिता नीचे उतर आया था और उसमें वास किया, स्वर्ग से पंडुकी के रूप में नीचे उतरा, कहते हुए, "यह मेरा प्रिय पुत्र है, जिसमें रहने के लिए मैं प्रसन्न हूं।"

180 इसी कारण उसने कहा, "मैं और मेरा पिता एक हैं। मेरा पिता मुझ में रहता है। यह मैं नहीं जो यह कार्य करता है; यह मेरा पिता है जो मुझ में वास करता है।"

181 यूहन्ना ने यह गवाही दी, पण्डुकी के समान पवित्र आत्मा को देख रहा था कि नीचे उतर रहा है। इसमें से यह आवाज आयी, यह कहते हुए, "यह मेरा प्रिय पुत्र है जिसमें रहने के लिए मैं प्रसन्न हूं।" देखिए, और वह उसमें रहा।

182 अब ध्यान दे जब उसकी सेवकाई आरंभ हुई, अब उसे मनुष्य के पुत्र के समान व्यवहार करना था। अब ध्यान दे उसने क्या किया। वहां एक मनुष्य शमौन पतरस नाम का आया। तब उसका नाम शमौन था, बाद में

पतरस कहलाया। इन्द्रियास यूहन्ना की सभा में भाग ले रहा था; और तब जब यीशु आया, और यूहन्ना ने उसका परिचय करवाया, उसने उसे देखा। और इन्द्रियास ने अपने भाई शमौन से कहा कि उसके साथ सभा में आए।

183 और उसे उनके पिता के बताया था, जैसा कि उसने कहा, "एक स्वयं आयेगा, इसके पहले कि वास्तविक मसीहा आए, वहां बहुत से झूठे मसीह उठ खड़े होंगे।" यह सदा से इसी प्रकार रहा है। उसने कहा, "परन्तु, पुत्रों, स्मरण रखो, वह वास्तविक मसीह, तुम उसे जान जाओगे क्योंकि वह वचन के अनुसार होगा। वह एक भविष्यवक्ता होगा। अब, हमारे पास सैकड़ों और सैकड़ों और सैकड़ों वर्षों से भविष्यवक्ता नहीं है, मलाकी के समय से लेकर। परन्तु बहुत से लोग दावा करते है," जो कि हम जानते हैं वहां पर थे; वहां एक यीशु उठ खड़ा हुआ और एक झुंड को ले चला, और आदि–आदि, "परन्तु वास्तविक मसीहा एक भविष्यव्यक्ता होगा।" और सारे इब्रानियों को यह विश्वास करना सिखाया गया कि जो भविष्यद्वक्ता कहता हैं वह सत्य होता है।

184 [टेप पर खाली स्थान—सम्पा।] तभी वह अनपढ़ मछुआरा, जिसके विषय में हमें बताया गया, उसके पास इतनी शिक्षा भी नहीं थी कि अपना नाम लिख ले, बाईबल बताती है कि वह "अनजान और अशिक्षित" दोनों ही था, उसने उसे परमेश्वर का पुत्र है पहचाना। उसने उसे मसीहा है यह होने को पहचाना, क्योंकि वहां एक भविष्यवक्ता था। वहां एक था जिसने उन्हें बताया कि उसका क्या नाम है, और बताया कि उसके पिता का क्या नाम था। तब वह जान गया कि इसे तो भविष्यवक्ता ही होना चाहिए, क्योंकि वह मनुष्य उसे नहीं जानता था। और उसे स्वर्ग के राज्य की कुंजी दी।

185 और हम पाते हैं वहां कुछ खड़े हुए यह सुन रहे थे, और एक फिलिपुस नाम का, जिसने... अपने मित्र के साथ बाईबल का अध्ययन किया था, नतनेएल नाम का, मसीहा की प्रतीक्षा कर रहा था। इसलिए वह एक दिन की यात्रा कर पहाड़ का चक्कर लगा कर, और वापस आया। और उसने नतनेएल को एक—एक अंजीर के पेड़ तले प्रार्थना करते पाया। और उसने कहा, "आकर, देख हमने किसे पाया, नासरत का यीशु यूसुफ का पुत्र।" इसलिए नतनेएल... या फिलिप्पुस या...

186 बल्कि, नतनेएल, एक अच्छा मनुष्य होने के नाते, उसने कहा, "क्या कोई अच्छी चीज नासरत से निकल सकती है?"

उसने कहा, “अच्छा,” उसने कहा, “बस आकर देख ले।”

187 अब, यह अच्छा सुझाव है। आकर, स्वयं ही देख ले। घर पर बैठ कर आलोचना ना कर। आकर, देख ले। “वचनों में ढूंढो, तुम सोचते हो उसमें तुम्हे अनंत जीवन मिलता है।” यीशु ने कहा, “ये वे हैं जो मेरी गवाही देते हैं।”

188 इसलिए वापसी के मार्ग पर, कोई संदेह नहीं, उनकी थोड़ी बातचीत हुई थी। उसने उसे बताया, कहा, “तू उस बूढ़े मछुआरे को जानता है, जो मछली के भुगतान पर हस्ताक्षर नहीं कर सकता उस दिन वह मछली जो तू ने उससे ली? उसने उसे बताया। तू जानता हैं उसका पिता वह आराधनालय में था, उसका नाम योना था। तुझे याद है? उसने—उसने—उसने उसे बताया कि वह कौन था।”

“ओह, मुझे यह देखना पड़ेगा।”

189 इसलिए जब वह चला, और हो सकता है वह प्रार्थना पंक्ति में था, जहां यीशु था। मैं नहीं जानता। वह चलता हुआ यीशु कि उपस्थिति में आया। यीशु ने उसकी ओर देखा, और कहा, “देखो एक इस्राएली, जिसमें कोई कपट नहीं!”

190 अब, पहली बार, ये आप कहते हैं, “उसे कैसे मालूम हुआ कि वह एक इस्राएली है? भाई, क्योंकि उसकी वेशभूषा थी?” नहीं, नहीं।

191 सारे पूर्वी लोग पगड़ी पहने थे। वे ऐसे ही पहनते हैं। और कहा, “एक इस्राएली।”

192 और उसने कहा, “कोई कपट नहीं है!” वह एक धूर्त हो सकता था, या कुछ भी, तो वह भी प्रगट हो जाता। उसने कहा, “जिसमें की कोई छल कपट नहीं!”

193 और इस प्रकार से नतनेएल का सारा रूखापन निकल गया, इसलिए उसने कहा, “रब्बी, तूने मुझे कैसे जाना? क्यों, मैं—मैं—मैं यह नहीं समझ सका। तू ने मुझे कब जाना? मैं तुझसे कभी नहीं मिला। मुझे तो यहाँ फिलिपुस लेकर आया। तू ने मुझे कब जाना?”

194 उसने कहा, “इससे पहले कि तू अंजीर के वृक्ष तले था, जबकि तू वहां प्रार्थना कर रहा था, मैंने तुझे देखा।” हां। समझे?

195 उसने कहा, “रब्बी, तू परमेश्वर का पुत्र है। तू इस्राएल का राजा है।”

196 यीशु ने कहा, “क्योंकि मैंने तुझे यह बताया, तूने विश्वास किया? तो फिर तू इससे भी बड़ी चीज देखेगा।”

197 अब, वहां वे लोग खड़े थे। अब मैं आप लोगों को एक छोटी सी चेतावनी दे दूं। वहां जो वे खड़े थे, रब्बी और याजक, और उन्होंने कहा, “यह मनुष्य इसे बालजबूल के द्वारा करता है।”

198 और यीशु ने पलटकर और कहा, “मैं तुम्हें इसके लिए क्षमा करता हूं,” क्योंकि अभी छुटकारा नहीं हुआ था, “परन्तु किसी दिन पवित्र आत्मा आएगा और इन्ही चीजों को करेगा,” उसने कहा, “और उसके विरोध में एक शब्द बोलना, यह आपका ना इस संसार में ना आने वाले संसार में क्षमा होगा।”

कुएं पर वह स्त्री, सामरी।

199 अब, पृथ्वी पर तीन जाति के लोग थे। हम काले, भूरे, पीले जो भी हम है, हो सकते हैं, परन्तु हम एक लहू से आए हैं। और तीन जातियां है, जो कि हेम, शेम और यापेत के लोग; और यहूदी, अन्यजाति, और सामरी, आधे यहूदी और अन्यजाति।

200 अब, हम अन्यजाति, एंग्लो–सैक्सन, हम मूर्तिपूजक थे, मुर्तो की आराधना कर रहे थे। हम किसी मसीहा की प्रतीक्षा नहीं कर रहे थे।

201 इसलिए जब यीशु ने स्वयं को मनुष्य का पुत्र प्रगट किया... अब ध्यान से सुने, और मैं बंद करूंगा। जब यीशु आया, तो उसका कर्तव्य था कि वह दर्शाए जो भविष्यवक्ता ने कहा कि वह होगा, इसलिए इस्राएल के सामने वह उपस्थित हुआ, पतरस और नतनेएल और उन लोगों के सामने, मनुष्य के पुत्र के समान।

202 अब उसे सामरिया से होते हुए जाना था। और वह सामरिया जाता है, और वहां उसने एक स्त्री को कुएं पर बैठे हुए पाया। हम कहानी जानते हैं, और जैसे कि वह महिला, वे आपस में बात करने लगे। वह पानी लेने आयी थी। उसने कहा, “मुझे पानी पिला।”

203 और वह बोली, “अब, यहाँ पर एक अलगाव था, हम यह नहीं कर सकते। और मैं तो सामरी स्त्री हूं, और तू यहूदी है। हमारा कोई... ”

204 उसने कहा, “परन्तु यदि तू जानती कि तू किससे बात कर रही है, तो तू मुझसे पानी मांगती।”

205 वह बोली, “तो ठीक है, कुंआ तो गहरा है, तू किस चीज से निकालने जा रहा हैं? ”

206 और वार्तालाप आगे बढ़ी जब तक उसने उसके आत्मा से संपर्क नहीं किया। और जब उसने उसकी आत्मा से संपर्क किया, तो उसने पाया कि उसकी परेशानी क्या थी। कितने यह बात जानते हैं? [सभा कहती है, “आमीन।”—सम्पा।] अब कितने जो नए आए हैं यह जानते है कि यह सत्य है? [“आमीन।”] यह ठीक बात है, यह सत्य था।

और उसने क्या कहा? “जाकर अपने पति को यहां लेकर आ।”

उसने कहा, “मेरे पास कोई पति नहीं है।”

207 और उसने कहा, “तूने अच्छा कहा। क्योंकि तेरे पांच पति थे, और अब तू जिसके साथ रह रही है, वह तेरा पति नहीं है।” वह घूमी।

208 अब, वह उन याजको के समान नहीं थी, कि, “उसके पास शैतान है। वह भावी कहने वाला या ऐसे ही कुछ है।”

209 वह घूमी, और उसने कहा, “श्रीमान, मुझे प्रतीत होता है कि तू एक भविष्यव्यक्ता है। अब, हमारे पास पिछले चार सौ वर्षों से नहीं है। कलीसिया ऐसी नहीं हुआ करती थी। परन्तु मुझे प्रतीत होता हैं, मुझे प्रतीत होता है कि तू भविष्यव्यक्ता है। अब, मैं जानती हूं कि हम मसीह की प्रतीक्षा कर रहे हैं। और जब मसीह आएगा, तो वह इन चीजों को करेगा।”

210 अब बाईबल ने कहा, “वह कल, आज और सर्वदा एक सा है।” यदि मसीह के अभिषिक्त होने का चिन्ह पहले यही था, उस सामरियन के लिए और यहूदी के लिए... तो, यह अन्यजातियों के सामने पहले कभी नहीं हुआ। बाईबल में कहीं भी नही यीशु ने यह अन्यजातियों के सामने नहीं किया। उनके पास मसीह के प्रतीक्षा करने के चार हजार वर्ष थे; हमारे पास दो हजार वर्ष, उनके प्रशिक्षण के साथ, हम मसीह की प्रतीक्षा करते है।

211 अब, यदि उनके दिन समाप्त होने के पहले यह प्रमाण था, तो यह हमारा भी प्रमाण होना है, क्योंकि उसने प्रतिज्ञा दी है कि जिस दिन संसार फिर से सदोम के समान हो, मनुष्य का पुत्र स्वयं को फिर से प्रगट करेगा। और कोई भी जानता है कि हम ऐसी ही स्थिति में हैं। समझे?

212 अब, मैं विश्वास करता हूं कि यीशु मसीह अपना हर वचन पूरा करता है। सारा पवित्र वचन प्रेरित है। मैं विश्वास नहीं करता कि हमारे पास एक

भी अधिकार है, और इसके लिए दोषी ठहराएगा, यदि हम इसमें एक वचन मिलाए या एक वचन घटाए। प्रकाशितवाक्य 22 ऐसा कहता है। मैं विश्वास करता हूं कि वह कल, आज और सर्वदा एक सा है।

213 मैं निश्चय ही उन लूथरन का उनके दिनों में उनका खड़े होने का आदर करता हूं, मैथोडिस्ट का पवित्रीकरण के लिए, उनके दिनों में और पेंटीकोस्टल उनके दिनों में, उनके खड़े होने के लिए, परन्तु हम दूसरे दिन में जी रहे हैं। हम जी रहे हैं जब कि वहां डंठल, पुष्प, भूसा, बल्लड़ छिलका लगभग गेहूं जैसे है, परन्तु गेहूं छिलके के अंदर है। छिलके ने केवल गेहूं का समर्थन किया है, गर्म सूर्य से जलने से बचाया। और अब नामधारी इससे अलग हट रहे है, इसलिए इसकी यह पुत्र की उपस्थिति में रह सके, ताकि पक जाए। इसलिए हम लोग—हम लोग... अब कोई और संस्था ऊपर नहीं उठेगी। यह इसका अंत है। हमारे पास सदा लगभग तीन वर्ष थे, जब एक संदेश आरंभ होता, वे इसे संस्थागत करते।

214 यह लगभग बीस वर्षों से चलता चला आ रहा है, और कोई संस्था नहीं। यह नहीं हो सकता। हम गेहूं के समय में हैं, एक कटनी का समय। मैं सुन सकता हूं कि एक महान सम्मिलित होना आ रहा है। एक दिन हम घर जा रहे हैं। "वह कल आज और सर्वदा एक सा है।"

215 अब, मैं वह नहीं हूं, परन्तु मैं उसका सेवक हूं। मैं विश्वास नहीं करता कि आप लोगों पर हाथ रखकर और उन्हें दान दे। "वरदान और बुलाहट बिना प्राश्चित के है।" यह पहले से ही परमेश्वर के ठहराए हुए हैं, कि उस युग के समय और काल से मेल खाए। कोई भी बाईबल का सीखने वाला यह जानता है कि यह सत्य है। मूसा समय पर ही जन्मा था। यर्मयाह, समय पर, और वे बाकी सब। यूहन्ना बपतिस्मा देने वाला, समय पर। यीशु समय पर था। और हम समय पर है। यही है जो घटित होना है।

216 अब, मैं दावा करता हूं कि वह आज भी जीवित है, और उसका आत्मा। कलीसिया काल के बाद, हम लौदिकिया कलीसिया काल में हैं, अंतिम बुलाहट, और उन सबसे बुरी, क्योंकि उसे कलीसिया से बाहर कर दिया था। स्मरण रखें, मनुष्य का पुत्र, और उसे कलीसिया से बाहर कर दिया गया; किसी संस्था को संस्था से बाहर नही, परन्तु एक व्यक्ति एक संस्था से बाहर। समझे? किसी और कलीसियायी काल में ऐसा नहीं हुआ था, बस लौदीकिया में। यदि आप आत्मिक है, तो आप समझ जायेंगे।

217 हमारे स्वर्गीय पिता, अब मैंने सचाई से आपकी गवाही दे दी है। अब यदि यह सत्य है, जो कि मैं जानता हूं कि यह है, प्रभु, मैं विश्वास करता हूं, कि यह सत्य है, आप प्रमाणित करे कि मैंने सत्य को बताया है। यीशु मसीह के नाम में। आमीन।

218 अब क्षण भर में मैं आपसे कुछ पूछने जा रहा हूं। मेरे इस पंक्ति में कोई विचारो को नहीं परखने वाला हूं, क्योंकि मैंने सोचा आप सब मेरी सेवकाई में रहे थे। परन्तु उन लोगों के लिए जो यहां है, उन कुछ लोगो को वहां बाहर प्रार्थना करने जा रहा हूं, और कोई पंक्ति में होने दो, या ऐसे ही कुछ। और अब यदि यीशु मसीह इस मनुष्य को ले लेगा। ये आपके बिना कार्य नहीं करेगा। आप ही है जो यह करता है।

219 अब, सुनिए, एक दिन एक स्त्री ने उसका वस्त्र छू लिया, और वह घूमा, बोला, "मुझे किसने छुआ? "

220 वे सब बोले, "क्यों, लगता है... " या, पतरस ने कहा, "क्यों, सारी भीड़ तुझे छू रही है।"

221 उसने कहा, "परन्तु, मुझे लगा कि मैं निर्बल हुआ, या मुझ में से सामर्थ निकली है।" *सामर्थ* "शक्ति" है। और कहा, "मुझे लगा कि मैं—मैं निर्बल हुआ हूं।"

222 और इसलिए उसने चारों ओर देखा, उस स्त्री को, जब तक उसे ढूढ़ नहीं लिया, और उसे उसके लहू बहने के विषय में नही बता दिया। और वह स्त्री... उसने कहा, "तेरे विश्वास ने तुझे बचा लिया।" ठीक है।

223 अब, वह कल, आज और सर्वदा एक सा है। और नया नियम, इब्रानियों की पुस्तक ने कहा, "ठीक इस समय वह महायाजक है आपके लिए बिचवाई करता है, जिसे कि दुर्बलताओं की भावना में छुआ जा सकता है।"

अब, यहाँ पर, क्या यह—क्या यह यहाँ पर कोई रोगी है? आओ।

224 अब, भक्त मण्डली के लिए। मैं यह तमाशे के लिए नहीं कर रहा हूं, मित्रों। अब यह सोचना बंद करें। याद रखें, मेरे पास आपके विचार आ जाते है। कितने यह जानते हैं कि यह सत्य है, और इसे देखते हैं?

225 यहाँ एक स्त्री है जिसे मैंने—मैंने कभी नहीं देखा। मैं इस स्त्री के विषय में कुछ नहीं जानता। सम्भवत है हमने मीलों दूर जन्म लिया, और वर्षों के अंतर से, और आज रात्री हम यहां खड़े हैं। हम एक दूसरे के लिए

अपरिचित है। मैं आपको नहीं जानता। अब, मेरे पास कोई अनुमान नहीं है। यहां—यहां—यहां संत यूहन्ना 4 फिर से है, एक—एक पुरुष एक महिला से मिलता है। अब, मैं यीशु नहीं हूं और ना ही ये वही स्त्री है। परन्तु यहाँ समानता सी है। और उसने कहा, "वे कार्य जो मैं करता हूं तुम भी करोगे।" अब, मैं नहीं जानता। यह इस स्त्री के विश्वास को लेता है कि इसे करे। मैं इसके विषय में कुछ नहीं जानता। परन्तु यदि अब मुझे बताया जाए कि सत्य क्या है, तो फिर परमेश्वर बाध्य है कि... कहे यह सही है। अब, मैं आपको नहीं जानता, यदि स्वर्ग का परमेश्वर...

226 और मैंने आपको सत्य बताया है। क्या आप विश्वास करती हैं कि जो मैंने इस विषय में कहा है वह सत्य है? आप इसका सत्य होने का विश्वास करती हैं? [बहन कहती है, "मैं इसे विश्वास करती हूं।"—सम्पा।] आप यह विश्वास करती हैं? मैं यहाँ बाईबल के सामने खड़े होकर और किसी को भटकाऊंगा नहीं, मेरी आयू का पुरुष, और जानता हो कि मुझे परमेश्वर के सामने आना है उस न्याय कटघरे पर। हमें वहां खड़ा होना है किसी दिन। हम यह जानते हैं।

227 अब यदि परमेश्वर मुझ पर प्रगट कर सकता है, कि आपके जीवन में कुछ ऐसा, जो आप जानती हैं कि मैं उस विषय कुछ नहीं जानता, क्योंकि मैं आपको नहीं जानता। यदि कुछ भी थे, आपके जीवन में कुछ होना चाहिए। जो मुझे कुछ नहीं मालूम होगा। तो फिर यह कहीं अलौकिक सामर्थ से आएगा। और फिर यह आप पर निर्भर होगा कि आपने सामर्थ के विषय क्या सोचा था।

228 अब आप जो नए आए है। अब मैं अपने हाथ को रोकता हूं। अब, कृपया यहां आस-पास में ना घूमे फिरे, क्योंकि, देखिए, आप में से प्रत्येक जन एक आत्मा है। जब मैं घूमता हूं, तो मैं चारो ओर से एक—एक खिंचाव का अनुभव करता हूं। देखिये, आप—आप एक मनुष्य है और आपमें आत्मा है। और आप एक आत्मा है। यदि आप नहीं हैं, तो आप मरे हुए हैं। इसलिए आप बस सम्मान करे, कुछ क्षण के लिए।

229 और यह व्यक्ति जो प्रार्थना कर रहा है। मैं इसकी आशा नहीं कर रहा था, आज रात्री मैं इसके लिए कभी नहीं आया था। मैं बस रोगियों के लिए प्रार्थना करने को आया था। परन्तु ये नए आए है।

230 अब, क्या आप इसका विश्वास करते हैं? यदि प्रभु मुझे बताए कि

आपकी क्या समस्या है, या आप यहां किस लिए हैं, आपने कुछ किया है या करना चाहिए था, या—या कुछ और, तब आप विश्वास करेंगे? ठीक है, मैं आपके आत्मा से संपर्क करने का यत्न करता हूं, आपने देखा। यही है जो मैं करने का यत्न करता हूं। जैसे उसने कुएं पर स्त्री के संग किया, उसने स्त्री से थोड़ी सी बात की, देखिए, वह उससे पानी मांग रहा था। और मैं भी यही करने का यत्न कर रहा हूं, कि आपके विचार को पकडूं, आपके मस्तिष्क को पढ़ना नही; परन्तु वैसा ही यत्न करना जैसा उसने किया, आपके विचारों को जानना।

231 आप यहां पेट की बीमारी के लिए हैं। आपको पेट में परेशानी है। यह ठीक बात है। यदि यह सही है तो अपना हाथ उठाये। अब क्या आप विश्वास करते हैं? केवल यही नहीं, परन्तु आप किसी और चीज के लिए भूखे हैं। आप पवित्र आत्मा का बपतिस्मा चाहते हैं। यदि यह सही है तो अपना हाथ हवा में हिलाए। समझे? मैं देखता हूं कि ज्योति वह उस पर चली गयी, और फिर पीछे आयी, देखिए। जाये और यीशु मसीह के नाम में पवित्र आत्मा पाये, ये उत्तर है।

232 नये आये हुए, क्या आप विश्वास करते हैं? [सभा कहती है, "आमीन।"—सम्पा।] अब आप कहते हैं...

233 अब यहाँ पर, देखिए, जब वह अभिषेक आरंभ हो जाता है, तो यहाँ यह आगे बढ़ता है। देखो, जैसे ही वह महिला वहां खड़ी हुई, वहां है वो, ठीक इस समय... उसने पहचाना कि कोई चीज उसके चारों ओर है।

234 कितनों ने वह अग्नि का स्तंभ वाला चित्र देखा है, वह ज्योति वहां पर है? वाशिंगटन, डीसी में। समझे? अब मैं चाहता हूं... यह जैसा कि दूसरा क्षेत्र है। मैं ठीक वहां इसे देख रहा हूं। यह ठीक वहाँ उस स्त्री पर है। मैं इसे देख रहा हूं।

235 अब, इस महिला के लिए मैं पूर्णत: अपरिचित हूं। मैं इसे नहीं जानता। और मुझे संदेह है कि यह भी मुझे जानती है, या नही केवल सभाओं में देखने के द्वारा। बस इतना ही। परन्तु यदि परमेश्वर मुझे आपके विषय में कुछ बताए या कुछ ऐसा जो थोड़ी देर पहले हुआ, क्या आप मेरा उसका भविष्यवक्ता होने का विश्वास करेंगे, उसका सेवक? क्या आप पूरे हृदय से विश्वास करेंगे? हो सकता है वह इसे प्रदान करे। आपका एक ऑपरेशन होने वाला हैं, और यह ऑपरेशन आपके हाथ के बारे में है। वहां कोई

स्थान नहीं है, परन्तु यह तांत्रिका की दशा है आपके हाथ में। यह दुर्घटना के कारण हुआ, और इसका ऑपरेशन होना है। आप विश्वास करते हैं, और आपका ऑपरेशन नहीं होगा, यदि आप बस अपने पूर्ण ह्रदय से विश्वास करे! आमीन। क्या आप मुझे उसका भविष्यव्यक्ता होने का विश्वास करती हैं?

236 अब बस—बस विश्वास करे। संदेह ना करें। बस विश्वास करें। अब, यहाँ, एक और स्त्री को, क्योंकि यह स्त्री संकट पूर्ण स्थिति में है। आप यह काली छाया देखते हैं? कितनों ने कभी मृत्यु की काली छाया वाला उतरा हुआ चित्र देखा है? इस समय यह स्त्री के दहिनी ओर ऊपर रुका हुआ है। यदि परमेश्वर उसकी सहायता ना करे, तो वह जीवित नहीं रह सकती। उसको फोड़ा है। और फोड़ा मस्तिष्क में है। उह–हुंह। उह–हुंह। उह–हुंह।

237 प्रिय परमेश्वर, अब यदि आप इतने समीप उपस्थित है, जो यह सारी बातें जानता है, प्रिय परमेश्वर, मैं प्रार्थना करता हूं, कि आप हमारी बहन को चंगा करेंगे। पिता, उसे जीवित रहने दे, अपनी महिमा के लिए। मैं यह यीशु मसीह के नाम में मांगता हूं। आमीन।

238 आप कैसी हैं? आप स्वस्थ अच्छे व्यक्ति हैं। यदि मां जीवित होती, तो वह लगभग आपकी आयू की होती, मैं समझता हूं। वह महिमा में है आज रात्री। वह सदा मेरे लिए प्रार्थना करती थी जब मैं सभा के लिए बाहर गया। मैंने प्रभु से कहा... [बहन कहती है, "मैं पच्चासी वर्ष की हूं।"—सम्पा।] महोदया? ["मैं पच्चासी वर्ष की हूं।"] पच्चासी वर्ष की। आपके ह्रदय को आशीष मिले, बहन।

239 अब, मैं आपके लिए पूरी तरह से अपरिचित हूं, मैं समझता हूं। हमारी आयू में वर्षों का अंतर है। और मैं आपको नहीं जानता। मैंने आपको कभी नहीं देखा। हम बस दो लोग इस पृथ्वी पर मिले हैं, परन्तु आप मसीही हैं। आप एक विश्वासी है। क्योंकि, कारण मैं यह जानता हूं, यह आपकी आत्मा की अनुभूति है। आप ने, मेरा स्वागत किया है, देखिये। और मैं विश्वास करता हूं कि यह पवित्र आत्मा है, क्योंकि यह कार्यो को देता है और पवित्र आत्मा के व्यवहार। समझे? और मैं जानता हूं कि यह वही है। मैं जानता हूं यह बाते जो हम बोलते हैं, सत्य है। अब, मैं जानता हूं कि यह सत्य है।

240 अब, मैं नहीं जानता कि क्या गडबडी होगी। परन्तु यदि प्रभु यीशु मुझ पर प्रगट करेगा कि आपके साथ क्या गडबड है, क्या... आप जानते होंगे कि

यह सही है या नहीं, या मुझे कुछ बताए जो आपने किया, या जो आपको नहीं करना चाहिए था। आप विश्वास करेंगे कि यह वही प्रभु यीशु है, वही परमेश्वर जो फिलिप्पुस को बता सकता था कि वह कहां था, शमौन को बताया कि उसका क्या नाम था? क्या आप विश्वास करते हैं कि यह वही एक है?

241 आपकी परेशानी पेट की परेशानी है। [बहन कहती है, "बिल्कुल सही।"—सम्पा।] यह बिल्कुल ठीक है। क्या यह सही नहीं है? ["जी हां, श्रीमान।"] अब आप मुझ पर उसका भविष्यवक्ता होने का विश्वास करती हैं? आपका नाम श्रीमती बेयर है, जैसे श्रीमती बेयर; बेयर, बेयर एस्पिरिन। यह ठीक बात है। आप चंगी हो गयी हैं। आगे बढिये, यीशु मसीह आपको चंगा करता है। परमेश्वर आपको आशीष दे।

242 आप अपने पूरे ह्रदय से विश्वास करते है... अब यदि आपमें विश्वास है, संदेह ना करें!

243 अब, आप वास्तव में यहां अपने लिए नहीं हैं। आप यहां किसी और के लिए हैं। यह एक पुरुष है, और वह यहां नहीं है, एक भाई। वह भाई एक पागल संस्थान में है। उस रूमाल को लीजिए जो आपके हाथ में है, जबकि आत्मा आपके ऊपर है, इसे उसके पास भेज दे। इसे उस पर रख दे, संदेह ना करें, वह संस्थान से बाहर आ जाएगा और चंगा हो जाएगा। क्या आप इसका विश्वास करते हैं? परमेश्वर आपको आशीष दे।

244 आप यह कहते हैं, "आपने कहा, 'वहां वह स्वर्गदूत, अन्त के दिन में, उसकी पीठ घूमी हुई थी,' जहाँ आप देखते हैं।"

245 मैं इस महिला की ओर नहीं देखूंगा। मैं अपनी पीठ घुमाता हूं। अब, महिला, आप जो रोगी के साथ है, क्या आप मुझे सुन सकती है, "हां।" [बहन कहती है, "हां।"—सम्पा।] यदि प्रभु यीशु मुझ पर प्रगट करेगा कि आपकी क्या परेशानी है, जब कि मैं इस ओर देख रहा हूं, आप जान जायेगी कि यह सत्य है या नहीं। क्या यह ठीक बात है? तब क्या आप विश्वास करेगी जो यीशु ने कहा, उसे पूरा होना है, "यह अन्त के दिनों में किया जाएगा, जैसा कि यह सादोम के दिनों में था"? क्या आप इसका विश्वास करेंगी? आपको महिला वाली गडबडी है, महिला वाली परेशानी। अब अपने पूरे ह्रदय से विश्वास करें, यह आपको छोड़ देगा और आप घर स्वस्थ होकर जा सकती हैं। परमेश्वर आपको आशीष दे।

"यदि तू विश्वास कर सके!"

246 क्या आप विश्वास करते हैं कि परमेश्वर इस ह्रदय रोग को चंगा करेगा? बस आगे चलते रहे, कहते हुए, "धन्यवाद, प्रभु!" विश्वास करे!

247 प्रात: उठते हुए, आप कठिनता से हिल सकते हैं। गठिया एक बुरी चीज है, परन्तु यीशु मसीह गठिया को चंगा करने वाला है। क्या आप यह विश्वास करते हैं? आप अपने कदम को एक ओर नियन्त्रित कर रही हैं, एक ओर, नीचे जा रही है। मैं आपको यह करते देखता हूं। अब आपको यह और नहीं करना पड़ेगा, यदि आप विश्वास करें। क्या आप विश्वास करती हैं कि मुझे इस उद्देश्य के लिए भेजा गया है? [बहन कहती है, "मैं करती हूं।"—सम्पा।] तो, फिर यीशु मसीह के नाम में, यह महिला को छोड़ दे। आमीन।

248 आपको पेट की परेशानी है। क्या आप विश्वास करते हैं कि परमेश्वर आपको घर जाने देगा, अपना भोजन खाए, इस विषय में अच्छा अनुभव करे? अपने मार्ग पर जाये, अपना भोजन करे, विश्वास करे और आप अच्छा अनुभव करेंगे।

249 आपको कमजोरी है, जिससे आप दबे हुए है, यह ठीक बात है क्योंकि आपका ह्रदय खराब है। यह ठीक बात है। अब यह आपको और नहीं होगा। जाईए, इसका विश्वास करे।

250 क्या हो यदि मैं आपसे एक शब्द भी ना कहूं, और बस आप पर हाथ रखूं, क्या आप मेरा विश्वास करेंगी, यह भी कि आप चंगी हो जाएंगी? यहाँ आईए।

251 प्रिय स्वर्गीय पिता, मैं आप से प्रार्थना करता हूं कि आप महिला को चंगा करेंगे और उसे स्वस्थ कर देंगे यीशु मसीह के नाम में होते हुए। आमीन।

252 यहां पर कितने लोग विश्वास करते हैं, कितने आप में से नए आए है, आप सब लोग?

253 जरा सोचे, और मैं लोगों को कठिनता से आते हुए देख पा रहा हूं। बस स्मरण रखें, एक दर्शन के कारण प्रभु यीशु निर्बल हो गया। कितने यह जानते हैं? एक स्त्री ने उसे छुआ। दानिय्येल ने एक दर्शन देखा और यह उसके मस्तिष्क में परेशान थी, उसके सिर में, बहुत दिनों तक। कितने यह बात जानते हैं? समझे? ठीक है।

254 अब आप में से कितने लोग यह विश्वास करते हैं, कि यह पवित्र आत्मा है? क्या आप इसका पूरे हृदय से विश्वास करते हैं... अब. मैं नहीं। पवित्र आत्मा! अब यहाँ एक व्यक्ति यहां बैठा है वह भी विश्वास करता है।

255 अब कुछ, अब आप में से कुछ अधिक लोग जिनके पास उनके प्रार्थना कार्ड है, मैं चाहता हूं कि प्रत्येक जो इस प्रार्थना पंक्ति में आने वाले है, एक क्षण के लिए खड़े हो जाए।

256 देखिए, मैं आपसे एक औपचारिक प्रश्न करना चाहता हूं। क्या आपने अपने सारे पापो को जो है मान लिया है? आप विश्वास करते हैं? क्या आप स्वीकार कर चुके है, और आप—आप विश्वास करते हैं कि आप चंगे होने जा रहे हैं? आपने अपने सारे पापों को मान लिया है और सारी गलतियों को ठीक कर लिया है? अपने हाथों को ऊपर उठाये, परमेश्वर के सामने यदि आपने कर लिया है, आप यह विश्वास करते हैं।

257 और अब अपने उठे हुए हाथों के साथ, क्या आप विश्वास करते हैं कि यह पवित्र आत्मा को लेता है, और यह पवित्र आत्मा है जो स्वयं को आपके मध्य में प्रमाणित कर रहा है? क्या आप यह अपने पूरे हृदय से विश्वास करते हैं? [सभा कहती है, "आमीन।"—सम्पा।] आप करते हैं? तो फिर आप हर एक चंगा हो सकता है।

258 अब क्या आपके पास इन सेवको पर जो यहां बैठे है विश्वास और भरोसा कर सकते है? क्या आप इन लोगो का भी विश्वास करते हैं? कैसा हो हम आपके लिए प्रार्थना करें, प्रत्येक के लिए, और फिर आप आए और आप पर हाथो को रखें।

259 यह मुझे दुर्बल कर देता है। यह इसी प्रकार से चलता रहता है, यह बस—यह बस मुझे।

260 और इसके बाद मैं—मैं दक्षिण अफ्रीका जा रहा हूं। क्योंकि, ओह, प्रभु, आप जानते हैं कि वहां कैसा है जहां आप लोगों से बात भी नहीं कर सकते। और वहां होगा... हम वहां कम से कम तीन लाख की आशा कर रहे है एक ही सभा में।

261 इसलिए आप बस विश्वास करें! आप यहां अमेरिका में हैं, आपने यहां सब कुछ देखा है।

262 प्रिय परमेश्वर, यह लोग आवश्यकता में है। और मैं कुछ भी नहीं जानता जो आप कर सकते हैं, पिता, उन्हें अपने वचन के द्वारा सिद्ध करे, कि आप

ना बदलने वाले परमेश्वर हैं। मैं विश्वास करता हूं कि प्रभु हमने बहुत सी महान चीजें देखी है, और आपकी मेज पर से खाया है, ऐसे स्वादिष्ट, अद्भुत अनन्त जीवन का भोज, जब तक कि हम ना हो जाए... और इसकी आदत ना पड़ जाए। यह—यह सामान्य चीज हो जाती है। हम नहीं, प्रभु, हम यही प्रकार से इसके पास नहीं आ रहे है, जब हम देखते हैं, यहां तक कि मैं अपने लिए यहां खड़े हुए सोचता हूं, मुझे अपने घुटनों पर होना चाहिए, यह जानते हुए कि वह आत्मा जिसने उसे मरे हुओं में से जिलाया, ठीक यहाँ पर खड़ा हुआ है। जो आत्मा उस पर था जब वह यहां पृथ्वी पर था, अब ठीक यहां पर है। और हम, बेचारे अयोग्य पापी, उसके अनुग्रह और दया के द्वारा, उसने हमारे जीवनो को मोल लिया। और आज हम यहां पर हैं, उसके कामो को साथ लिए हुए, जैसा कि उसने कहा हम उसके कामो को जारी रखेंगे। "वे काम जो मैं करता हूं तुम भी करोगे।" इन बातों की प्रतिज्ञा की और उन्हें सिद्ध कर रहा है, यहाँ इस संसार में! प्रभु, मैं आपका बहुत ही आभारी हूं, कि मैं आपके लोगों के भाग में गिना गया हूं, इस अन्त के दिन में।

263 प्रिय परमेश्वर, यह लोग खड़े हुए हैं। पिता, यह लोग बीमार हैं। इन्हें चंगा करने का मेरे पास कोई तरीका नहीं। और ना ही आपके पास, आप इन्हें पहले ही चंगा कर चुके है। आप हमारे अपराधों के कारण घायल किए गए, और आपके कोड़े खाने से हम चंगे हुए। इसलिए, पिता, मैं प्रार्थना करता हूं प्रत्येक जो यहां से निकलता है, जब कि हम इनके लिए प्रार्थना करते हैं, कि वे इस प्रकार से आएंगे जैसा कि वे अब क्रूस के नीचे से निकल रहे है। क्योंकि वे बिना किसी सन्देह के जानते हैं, प्रमाणित पवित्र आत्मा यहां मंच पर है। परमेश्वर का अभिषिक्त यहां सभा में है। हर पाप को क्षमा कर दे। हर अविश्वास को दूर कर दे। और होने पाए इनमें से प्रत्येक चंगा हो जाए जब वह यहां पंक्ति से निकलता है। यीशु मसीह के नाम में, मैं यह मांगता हूं। आमीन।

264 [एक भाई कहता है, "भाई ब्रंहम, यदि हम में से सारे बैठ जाए, और एक बार में एक हिस्से को ले, इस प्रकार से भीड़ नहीं लगेगी।"—सम्पा।] हां। ठीक है।

265 अब मैं कुछ पूछना चाहता हूं। क्या आप, भाई लोगों, यहां मेरे साथ खड़े होंगे?

266 आप देखते है, इस विषय में यहाँ एक बात है। शहर में बहुत सारे प्रचारक जाते हैं, और वे सब बीमारों के लिए प्रार्थना करते हैं, और वे बाकी सब। और जब भक्त मण्डली, जब यह सब हो जाता है, वे—वे—लोग केवल प्रचारक के चारो ओर घेरा डाल लेते हैं, देखो। लोगों, यह ऐसा नहीं है। ये लोग मुझे सन्देह है, इस युग में कोई भी... मैं यह जानता हूं, यहां बहुत सी नकले है, परन्तु मैं नहीं कहूंगा कि करने जा रहा था। परन्तु ये लोग वह नही कर सकते, यह सच बात है, और मुझे इस पर पूरा संदेह है।

267 परन्तु ये बस परमेश्वर द्वारा ठहराए हुए हैं, कि बीमारों पर हाथ रखें, जैसे मैं या कोई भी। परमेश्वर इनकी प्रार्थना का उत्तर भी वैसे ही देगा, जैसे वहां कोई भी प्रार्थना के लिए होगा। यीशु ने प्राधिकार दिया है, "यह चिन्ह," ऐसा नहीं कहा विलियम ब्रंहम, ओरल रॉबर्ट्स, आदि-आदि के पीछे-पीछे जायेंगे, "यह विश्वास करने वालो के पीछे-पीछे जायेंगे।" और ये लोग परमेश्वर के आत्मा से भरे हुए हैं। यह बपतिस्मा पाए हुए लोग हैं, उसी पवित्र आत्मा से। वह आत्मा यहां था उन्ही कार्यो को कुछ ही क्षणों पहले कर रहा था, वह अब भी यहां पर है। वह इन में से प्रत्येक मनुष्यों पर है, देखो, और ये सब इससे भरे हुए हैं। इसलिए मैं इनसे कहने जा रहा हूं कि यहां दो पंक्तियां बना ले, इस पंक्ति के इस ओर, यदि वे करेंगे, ताकि वे अपने हाथ बीमारों पर भी रख सकेगे, जैसे कि वे यहां से निकलते हैं।

268 और वे चाहते हैं कि वे जिनके पास प्रार्थना कार्ड है खड़े हो, केवल प्रार्थना कार्ड, कि यहां गलियारे में खड़े हो जाये। और आप बाकी प्रार्थना करें, अब कुछ ही मिनटो के लिए। हर भाग में से खड़े हो जाये, अपने भाग के बाये ओर खड़े हो जाये। अपने भाग में खड़े हो, और फिर वे आपको बुलाएंगे। जब आप देखे कि यह पंक्ति यहाँ समाप्त हो रही हैं, तो *यह* पंक्ति इस में आ जाए। जब *यह* पंक्ति समाप्त हो, तो *यह* वाली इसमें आ जाए।

269 और जब आप आते हैं, तो स्मरण रखें, आप तब ही चलेंगे जब तक कि आप विश्वास नहीं करते। आप में से कितने जानते हैं, आप अपने ह्रदय में अनुभव करते हैं, कि इस विषय में आप प्रार्थना में से होते हुए निकलते है, और जैसे ही आप यहां से होते हुए निकलते है आप चंगे होने जा रहे हैं? अपने हाथ उठाये, कहे, "मैं इसे इसी समय स्वीकार करता हूं, मसीह, क्योंकि आपने इन चीजों का प्राधिकार दिया है।"

270 अब मैं आप में से प्रत्येक के लिए प्रार्थना करता हूं। हम प्रार्थना करने

जा रहे हैं। मैं बहन रोज या जो कोई भी है उससे कह रहा हूं कि यहां ऑर्गन पर है, बहन रोज, कृपया क्या आप बजाएंगी, *महान वैद्य अब यहां पर है,* हमारे लिए। और लोग, और सारे लोग प्रार्थना में रहे। और जैसा कि ये प्रार्थना पंक्ति में से होकर निकलते हैं, मैं विश्वास करता हूं कि प्रत्येक चंगा होने जा रहा है। परमेश्वर आपको आशीष दे। बाकी आप अपने सिर को झुकाए रहे, और दूसरों के लिए प्रार्थना करें।

271 वास्तव में सच्चे रहे। देखिए, किस प्रकार से उस छोटे बैपटिस्ट प्रचारक ने पवित्र आत्मा पाया, उस रात्री। वह इसके विषय में सोच रहा था, वहां बड़ी, वास्तवविक निष्ठा से बैठा है, और ये सारे झुण्ड पर उतर आया। आपको परमेश्वर के साथ सच्चा होना है।

272 अब उसने सिद्ध कर दिया है वह यहां आपके साथ है। वह यहां पर है। अब जब कोई आपको बताता है कि यह एक उत्तेजित लोगों का झुंड है, आप अब इसे अच्छा जानते हैं, आप जो नए आए है, क्या आप नही जानते? उसने अपने आपको प्रगट किया है, कि ये वह है। और कोई ये नहीं कर सकता। ये प्रेरितों के दिनों के दिनों के बाद से फिर नहीं किया गया। यह अब फिर कलीसिया में वापस आया है, जैसी प्रतिज्ञा की गई थी। अब प्रभु आपको आशीष दे।

273 अब, आप लोग, जैसे कि इस पंक्ति में से होकर निकलते हैं, प्रार्थना करते हुए आए। अब हर एक, "वह—वह महान वैद्य अब समीप है, सहानुभूति रखने वाला यीशु।" अब जब आप अपने झुके हुए सिरों के साथ श्रद्धा में आते है। निकलते है। ये लोग आप पर हाथ रखेगे, आप चंगे हो जाएंगे। [टेप पर खाली स्थान—सम्पा।]

... स्वर सरफिम...

... ? ... यह ठीक है। कल रात्री... ? ...

274 [टेप पर खाली स्थान—सम्पा।]... ? ... बात। परन्तु, बस एक साधारण सी बात आज्ञाकरिता कि जो परमेश्वर ने कहा। मैंने इसे बहुत बार होते हुए देखा है। देखिए, वचन हमें इस बात की भी आज्ञा नही देता कि लोगों के लिए प्रार्थना करे, इसमे बस इतना है, "बीमारों पर हाथ रखे, तो वे चंगे हो जायेंगे।"

275 अभी हाल ही में, ओह, यह... मैं नहीं कहता कि हाल ही में। यह घटना मेरे मस्तिष्क में है। यह लगभग तीन या चार वर्ष पहले की बात है, या

अधिक। हम ठीक यहां कैलिफोर्निया में थे। दो महिलाए वहां आई, उनमें से एक के चेहरे पर एक—एक—एक मांस बढ़ा हुआ था, और दूसरी वाली को पेट की परेशानी थी। और उन्होंने ऐसा ही विश्वास किया। मैंने अपना हाथ उन पर रखा, और कहा, "अब, मैं यह प्रभु यीशु के नाम में करता हूं।"

276 यह लगभग एक महीने बाद की बात है। वह महिला खाने की कोशिश कर रही थी, अपनी पेट की उस परेशानी के साथ, वह यह नहीं कर सकी। एक सुबह, "एक ठंडा सा उसे अनुभव हुआ," उसने कहा, और वह खाने के लिए चली गई। और वह अपने पड़ोसियो को बताने के लिए भागी, और उसके पड़ोसी चादर झाड़ रहे थे, *इस* प्रकार से, और उस बढ़े मांस को उसके मुंह पर ढूंढने की कोशिश कर रहे थे जो उसके चेहरे पर से उस रात्री हट गया था।

277 देखो, मित्रो, बस विश्वास करे। यदि वह एक के लिए करता है, तो वह सब के लिए करेगा। और हाथो को रखना यह एक साधारण सी बात है। और उसने यही करने को कहा है। हम नहीं जानते कि यह कैसे कार्य करता है। मैं नहीं जानता कि यह कैसे होता है। यह तो बस उसकी प्रतिज्ञा है। उसने कहा और वह करेगा। और सारे संसार में मैंने हज़ारों लाखो को देखा, वे बस चंगे हो गए हैं। परमेश्वर ने यह करने की प्रतिज्ञा दी है, और यह उसकी प्रतिज्ञा है। देखिए, हम बस विश्वास करते हैं।

278 अब, हम सब यहाँ आ रहे हैं। और आप जो उठ नहीं सकते, यहां पास की ओर आ जाये, और हम आपके लिए प्रार्थना करने आ रहे हैं। अब मैं चाहता हूं कि आप में से प्रत्येक यहां से दाहिनी ओर जाये, यहां अपने हाथ रखते हुए, यदि आप चाहे यहां से होते हुए। और मैं यहां खड़े होकर प्रार्थना करना चाहता हूं, और फिर आकर उन पर भी हाथ रखू। ठीक है, ठीक है यहाँ आ जाए। आप सारे पास–पास आ जाए, ताकि हर कोई यहां पहुंच सके।

279 प्रिय परमेश्वर, यीशु मसीह के नाम में, हम इन लोगों के लिए प्रार्थना कर रहे हैं, इनमें से कुछ बीमार, अपाहिज हैं। वहां प्रभु उन सेवको के हाथ है, एक दूसरे के लिए आगे और पीछे हो रहे है। मैं प्रार्थना करता हूं प्रभु कि आप प्रत्येक को चंगा करेंगे। पवित्र आत्मा इन लोगों पर उतरे, प्रत्येक पर, पिता। और होने पाए कि परमेश्वर की महान सामर्थ इन के ऊपर छा जाए,

और ये चंगे होकर घर जाए। यह जानते हुए, कि यीशु ने कहा, “यदि वे बीमारों पर हाथ रखेंगे, तो वे चंगे हो जाएंगे।” प्रिय परमेश्वर आपने यह कहा है। हम इसका विश्वास कर रहे हैं। हम इसका विश्वास कर रहे हैं, क्योंकि आपने ऐसा कहा है और हम जानते हैं कि यह ऐसा ही है, इसलिए ये लोग स्वस्थ हो जायेंगे। प्रभु यीशु मसीह के नाम में, मैं इन सब को आशीषित करता हूं। आमीन।

280 परमेश्वर आपको आशीष दे। [टेप पर खाली स्थान—सम्पा।]

281 मेरा ह्रदय आप सब के लिए चंगाई को स्वीकार करता है। मैं यह विश्वास करता हूं। क्या आप इसका मेरे साथ विश्वास करेंगे, अब आप में से हर एक? यही है। मैंने आपको सत्य बता दिया है, जितना भी मैं जानता हूं। मैं आपसे प्रेम करता हूं, और परमेश्वर आपको आशीष दे। और मैं—मैं अपने पूरे ह्रदय से विश्वास करता हूं, कि आप स्वस्थ होने जा रहे हैं। और होने पाए मेरी आशीषे अब आप में से हर के साथ हो। परमेश्वर आपके ऊपर अपनी दृष्टी रखे और आपकी रक्षा करे। आप मेरी प्रार्थनाओ में है। क्या आप लोग मेरे लिए प्रार्थना करेंगे जब मैं इस प्रकार से अफ्रीका में होता हूं? मैं—मैं आपसे प्रेम करता हूं। और मैं आपसे कल रात्री मिलुंगा।

65-0427 क्या परमेश्वर अपना विचार बदलता है?
एम्बस्सी होटल
लोस एंजलिस, कैलिफोर्निया यू.एस.ए

HINDI

©2024 VGR, ALL RIGHTS RESERVED

VOICE OF GOD RECORDINGS, INDIA OFFICE
19 (NEW NO: 28) SHENOY ROAD, NUNGAMBAKKAM
CHENNAI 600 034, INDIA
044 28274560 • 044 28251791
india@vgroffice.org

VOICE OF GOD RECORDINGS
P.O. BOX 950, JEFFERSONVILLE, INDIANA 47131 U.S.A.
www.branham.org

सर्वाधिकार सूचना

सर्वाधिकार सुरक्षित। इस पुस्तक को व्यक्तिगत उपयोग के लिए घर के प्रिंटर पर छापा जा सकता है या यीशु मसीह के सुसमाचार को फैलाने के लिए एक साधन के रूप में निःशुल्क दिया जा सकता है। वॉयस ऑफ गॉड रिकॉर्डिंग्स® की स्पष्ट लिखित अनुमति के बिना इस पुस्तक को बेचा नहीं जा सकता, बड़े पैमाने पर प्रतिलिपि तैयार नहीं किया जा सकता, वेबसाइट पर पोस्ट नहीं किया जा सकता, पुनर्प्राप्ति प्रणाली में संग्रहीत नहीं किया जा सकता, अन्य भाषाओं में अनुवाद नहीं किया जा सकता, या धन मांगने के लिए उपयोग नहीं किया जा सकता।

अधिक जानकारी या अन्य उपलब्ध सामग्री के लिए कृपया संपर्क करें:

VOICE OF GOD RECORDINGS, INDIA OFFICE
19 (NEW NO: 28) SHENOY ROAD, NUNGAMBAKKAM
CHENNAI 600 034, INDIA
044 28274560 • 044 28251791
india@vgroffice.org

VOICE OF GOD RECORDINGS
P.O. BOX 950, JEFFERSONVILLE, INDIANA 47131 U.S.A.
www.branham.org